दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

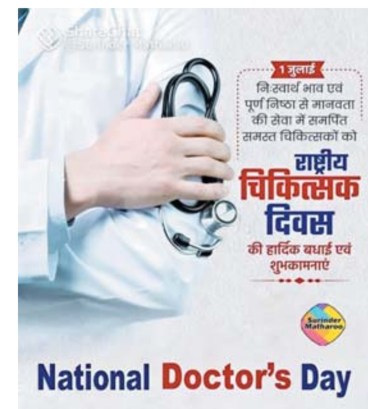

वर्ष 54/ अंक 316/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 01 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

भारत और अमेरिकी की ट्रेड डील लॉक, 8 जुलाई को हो सकता है ऐलान

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच एक बड़ी व्यापारिक डील जल्द ही फाइनल होने वाली है. इस बात की पुष्टि खुद व्हाइट हाउस ने मंगलवार को की. दोनों देश 8 जुलाई से पहले इस डील को अंतिम रूप देने की कोशिश में हैं, क्योंकि उसी दिन अमेरिका की तरफ से टैरिफ बढ़ोतरी पर

लगाई गई 90 दिन की रोक खत्म हो रही है. व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लीविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया, ÷राष्ट्रपति ने खुद कहा है और यह अब भी सही हैज मैंने हमारी कॉमर्स सेक्रेटरी से बात की है और वे इस डील को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं. बहुत जल्द राष्ट्रपति और उनकी ट्रेड टीम इस पर घोषणा करेंगे.÷

क्या है डील की डिटेल?- इस डील को दोनों देशों के बीच रणनीतिक रिश्तों में एक नया मील का पत्थर माना जा रहा है. अमेरिका चाहता है कि भारत में उसके कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए कम टैरिफ लगे और जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों (तस्ह्ल) को ज्यादा मार्केट एक्सेस मिले.

लेकिन भारत ने इन मांगों पर आपत्ति जताई है. भारत का कहना है कि इससे देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों पर असर पड़ सकता है.

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पहले ही साफ कर चुके हैं कि जो भी समझौता होगा, वह ÷फेयर, इक्विटेबल और बैलेंस्ड÷ होगा – यानी दोनों देशों के लोगों और बिजनेस को फायदा देगा.

कश्मीर पर लार टपका रहे फेल्ड मार्शल आसिम मुनीर

पाकिस्तान ने क्यों ताबड़तोड़ बेच डालीं पीओके की संपत्तियां

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों मुंह की खाने वाला पाकिस्तान सुधरने का नाम नहीं ले रहा है. 9 आतंकी ठिकानों और 11 एयरबेस तबाह होने के बाद भी पाकिस्तान का फेल्ड (फील्ड) मार्शल आसिम मुनीर, जम्मू कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगल रहा है. कश्मीर में आतंकियों को शहीद का दर्जा

देने वाले मुनीर से पीओके संभल नहीं रहा है, लेकिन लार कश्मीर पर टपक रही है.

कर्ज में गले तक डूबी पाकिस्तानी सरकार अब गैरकानूनी कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके की संपत्तियां ही बेचनी में जुट गई है.

पीओके की संपत्तियां बेचकर कर्ज चुका रहा पाकिस्तान – हाल के वर्षों में पाकिस्तान की सरकार ने पीओके की संपत्तियों को बेचना शुरू कर दिया है. ये संपत्तियां पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाहौर, सियालकोट, रावलपिंडी और खैबर पख्तूनख्वा में बेची गई हैं।

पीएम मोदी कल से ब्राजील, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना और नामिबिया की यात्रा पर

नई दिल्ली। पीएम मोदी की कूटनीति और सॉफ्ट पावर की दुनिया दीवानी है. आपको याद है न वो पल, जब पापुआ न्यू गिनी के पीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छुए थे. यह भी तो याद ही होगा जब अफ्रीकन यूनियन के चीफ ने जी-20 के दौरान पीएम मोदी को गले लगा लिया था. ऐसा इसलिए क्योंकि पीएम मोदी सबको एक समान देखते हैं. चाहे सुपरपावर हो या कोई छोटा सा गरीब देश. ऐसे में एक बार फिर पीएम मोदी कैरिबियाई और अफ्रीकन देशों की यात्रा पर निकल रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी ब्राजील में ब्रिक्स समिट में भाग लेंगे और 'ग्लोबल साउथ' के 5 प्रमुख देशों के साथ भारत के

पीएम मोदी की यात्रा से चीन का कर्जजाल ध्वस्त होगा

संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए दो जुलाई से पांच देशों की यात्रा करेंगे. पीएम मोदी की इस यात्रा से चीन का वह किला ध्वस्त होगा, जिसे उसने कर्ज की नींव पर खड़ा कर रखा है.

सबसे पहले जानते हैं कि पीएम मोदी 2 जुलाई से 9 जुलाई के बीच कहां-कहां की यात्रा करेंगे. आठ दिनों की यात्रा में पीएम मोदी ब्राजील के अलावा घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया जाएंगे. पीएम मोदी की इस यात्रा का एक मकसद है ब्रिक्स समिट. दूसरा और सबसे बड़ा मकसद है वैश्विक कूटनीति में भारत की स्थिति को और मजबूत करना. घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामिबिया की इस यात्रा से भारत इन देशों से द्विपक्षीय संबंधों की और उड़ान भरेगा. इतना ही नहीं, इन देशों में चीन का जिस तरह दबदबा बढ़ा है, उसे भी कम करने की यह कोशिश है।

कैसे चीन का किला ध्वस्त करेगा भारत

अब सवाल है कि इन देशों में भारत कैसे चीन के प्रभाव को कम करेगा और कैसे ड्रैगन के कर्जजाल से उन्हें आजाद कराएगा? पीएम मोदी की यात्रा का एक और बड़ा मकसद इन देशों के साथ भारत के आर्थिक, रक्षा और डिजिटल सहयोग को बढ़ावा देना है. घाना और नामिबिया में यूपीआई और हेल्थ प्रोजेक्ट में भारत सहयोग करेगा. अर्जेंटीना में खनिज और नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग, ब्राजील में ब्रिक्स के जरिए वैश्विक शासन और नामिबिया में पर्यावरणीय साझेदारी चीन के प्रभाव को संतुलित करेंगी. यही वजह है कि पीएम मोदी के इस पांच देशों की यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है. चीन भी टकटकी लगाकर देखेगा, जब इन देशों में पीएम मोदी के कदम पड़ेंगे.

'एक बगिया मां के नाम' योजना ला रही सरकार

2000 आबादी और 500 गोवंश वाले गांवों को वृंदावन ग्राम बनाने पर कैबिनेट की लगी मुहर

भोपाल। राज्य सरकार %एक बगिया मां के नाम% से नई योजना प्रारंभ करने जा रही है। जिसमें स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं को आजीविका संवर्धन के लिए 30 हजार एकड़ भूमि पर 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कराएगी। इस पर करीब 900 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक शुरू होने से पहले मंत्रियों से कही। उन्होंने कहा कि इस भूमि पर फल उद्यान का विकास किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। कैबिनेट ने हर विधानसभा क्षेत्र में एक वृंदावन ग्राम बनाने का फैसला किया है। वृंदावन ग्राम के लिए 27 मानक तय किए गए हैं जिसके आधार पर ग्रामों का

विकास कराया जाएगा। इसमें ग्रामीणों को पशुपालन से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के मानक हैं। पूर्व में सरकार प्रदेश के 313 विकासखंडों में एक-एक वृंदावन ग्राम बनाने का फैसला ले चुकी है।

जिला विकास सलाहकार समिति का गठन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया जाना है। समिति में सांसद, विधायक, पंचायत तथा नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी, डेयरी आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रख्यातजन शामिल होंगे।

1766 पुलों के लिए 4572 करोड़ मंजूर

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत बनाए गए पुलों और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण आवागमन में दिक्कत होती है इसलिए सरकार ने सड़कों के सुधार और पुलों के मरम्मत के लिए निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के माध्यम से इन सड़कों और पुलों के सुधार का कार्य कराया जाएगा।

नदियों के उद्गम स्थल पर रोपेंगे पौधे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर दस-दस एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपए की लागत से पौधों का रोपण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंत्री परिषद की बैठक से पहले, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को उनके जन्म दिवस पर पुष्प कुछ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

मंत्रालय के बाहर वंदेमातरम गायन करते हुए मध्यप्रदेश सरकार की मंत्री कृष्णा गौर एवं मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी।

2161 करोड़ रुपये का चर्चित शराब घोटाला

पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ ईडी ने 1100 पन्नों की चौथी पूरक चार्जशीट विशेष कोर्ट में दाखिल की

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में एक और बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने सोमवार को इस मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ 1100 पन्नों की चौथी पूरक चार्जशीट विशेष कोर्ट में दाखिल की है। चार्जशीट में लखमा की संलिप्तता को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई है, वहीं 66 पेज की समरी में पूरे घोटाले की रूपरेखा और लखमा की भूमिका का उल्लेख किया गया है।

ED ने कवासी लखमा को 15 जनवरी को गिरफ्तार किया था। इससे पहले उन्हें दो बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था। गिरफ्तारी से पहले लखमा को सात दिन की कस्टडी में रखकर पूछताछ की गई थी। इसके बाद 21 जनवरी को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पिछली सुनवाई में सुरक्षा के अभाव के कारण उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने उनकी रिमांड अवधि 18 फरवरी तक बढ़ा दी थी।भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में हुआ, जिसमें पूर्व ढ्ढस् अधिकारी अनिल टुटेजा, उनके बेटे यश टुटेजा, और तत्कालीन मुख्यमंत्री सचिवालय की उपसचिव सौम्या चौरसिया सहित कई प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए।

11 मई 2022 को आयकर विभाग ने दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि छत्तीसगढ़ में शराब व्यापार के जरिए बड़े पैमाने पर रिश्वत और अवैध वसूली की जा रही है। याचिका में कहा गया कि रायपुर के तत्कालीन महापौर एजाज ढेबर के भाई अनवर ढेबर इस अवैध वसूली नेटवर्क का अहम हिस्सा हैं। इसके बाद 18 नवंबर 2022 को श्वष्ठ ने इस मामले में क्करू एक्ट के तहत केस दर्ज किया।अधिकारियों, कारोबारियों और राजनीतिक रसूखदारों के गठजोड़ के जरिए एक संगठित सिंडिकेट बनाकर शराब कारोबार में भारी भ्रष्टाचार किया गया।

भाजपा के कई राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान, जल्द आएगा नड्डा का उत्तराधिकारी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू की है। उत्तराखंड में मौजूदा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को फिर से इस पद पर बरकरार रखा गया, जबकि मिजोरम में पूर्व मंत्री और विधायक के. बेचुआ को नया अध्यक्ष चुना गया। सोमवार को महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मिजोरम और पुडुचेरी में चुनाव हुए, जिसके नतीजे आज घोषित होंगे।

अब तक 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अगले दो दिनों में मध्य प्रदेश, लद्दाख और पश्चिम बंगाल में भी यह प्रक्रिया पूरी होगी। इस तरह 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव संपन्न हो जाएंगे। यूपी, गुजरात, ओडिशा और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में तीसरे चरण में चुनाव होंगे। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा होगी, जिससे जे.पी. नड्डा के उत्तराधिकारी पर भी चर्चा तेज होगी।

तेलंगाना में केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे चुनाव अधिकारी हैं, और एन रामचंद्र राव को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, क्योंकि उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं था। वर्तमान अध्यक्ष बंडी संजय कुमार का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है। महाराष्ट्र में रविंद्र चव्हाण ने नामांकन दाखिल कर पूर्णकालिक अध्यक्ष की कमान संभाली, जहां केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू पर्यवेक्षक होंगे।

प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में हेमंत खंडेलवाल सबसे आगे, मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिले

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा में नेतृत्व परिवर्तन की उलटी गिनती शुरू हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पार्टी ने पूरी प्रक्रिया तय कर ली है। इसके साथ ही केंद्रीय नेतृत्व ने भी हरी झंडी दे दी है। इसके बाद चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके बाद सब की निगाहें कल, बुधवार को होने वाली चुनावी गतिविधियों पर टिकी हैं।

नामांकन की प्रक्रिया शाम तक चलेगी

अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की प्रक्रिया शाम तक चलेगी, इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच और वापसी की प्रक्रिया होगी । यह प्रबल संभावना है कि जुलाई को प्रदेश के नए भाजपा अध्यक्ष की घोषणा कर दी जाएंगी। जिसकी तैयारी पूरी हो चुकी है। चुनाव की कमान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सौंपी गई है।

अग्रवाल अस्पताल
Estd. in 2002
सभी तरह के श्वांस रोगों (साधारण एवं गंभीर) की जांच, डायग्नोसिस एवं भर्ती के लिए सर्व सुविधायुक्त अस्पताल
एन.ए.बी.एच. प्रमाणित
NABH ACCREDITED HOSPITAL
विशेषताएँ :
• क्रिटिकल केयर एवं वेंटिलेटर केयर
• निमोनिया / इंफेक्शन/ सेप्सिस एवं मल्टी ऑर्गन फेलियर का उपचार
• दमा (अस्थमा), एलर्जी, सी.ओ.पी.डी., ब्रांकाइटिस, क्षय रोग (टी.बी.), प्लूरिसी का उपचार
• फेफड़े का कैंसर, लंग फाइब्रोसिस, स्लीप एपनिया (O.S.A.) का उपचार
• लंबी खांसी, सांस फूलना, खांसी में खून आना, सीने में दर्द के लिए परामर्श एवं उपचार

डॉ. प्रियनाथ अग्रवाल
एम.डी., डी.एम., एफ.सी.सी.पी.
श्वांस रोग विशेषज्ञ
प्रसूति एवं स्त्री रोग संबंधी सभी समस्याओं की जांच, उपचार एवं सर्जरी नवीनतम तकनीक द्वारा
विशेषताएँ :
• हाईरिस्क प्रेगनेंसी • नार्मल डिलीवरी एवं
• सभी मेजर एवं माइनर ऑपरेशन • दूरबीन/लैप्रोस्कोपी विधि से बच्चेदानी निकलना
अन्य विशेषताएँ :
निम्न रोगों पर फिजिशियन द्वारा परामर्श एवं उपचार
• हाइपरटैंशन (High B.P) • डायबिटीज (High Blood Sugar)
• जोड़ों की समस्यायें • मिर्गी • सरदर्द एवं चक्कर का उपचार
• पाचन संबंधी रोगों का उपचार

डॉ. नीलिमा अग्रवाल
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ.
स्त्री रोग विशेषज्ञ
यूट्यूब चैनल के लिए इस QR कोड को स्कैन करें
YouTube
Type Dr. P.N. Agrawal
लोकेशन देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें
ई-3/34, अरेरा कॉलोनी, वीर सावरकर फ्लाई ओवर एवं गणेश मंदिर के पास, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 89594 44999, 0755- 2462233, 4283383, 4278190
info@agrawalhospital.com | Website : www.agrawalhospital.com

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने सांसद ले रहे लगातार बैठकें

ट्रैफिक में बाधा बन रहे बिजली के पोल और ट्रांसफार्मर हटेंगे: आलोक शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए भोपाल सांसद आलोक शर्मा लगातार बैठकें ले रहे हैं। सोमवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह, पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा, एडीएम अंकुर मेश्राम, आरटीओ, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, नगर निगम व एमपीईबी के अधिकारियों के साथ बैठक की। सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने की दिशा में शहर भर में ट्रैफिक में बाधा बन रहे बिजली विभाग के पोल और ट्रांसफार्मर हटाए जाने आवश्यक हैं। इनकी वजह से कई बार एक्सीडेंट हो जाते हैं।

इन्हें हटाने की नीति बनाना चाहिए। इस पर कलेक्टर भोपाल ने सहमति देते हुए रक कमेटी बनाने निर्देशित किया है। कमेटी रोड की हद में आ रहे खंबे, डीपी आदि हटाएंगे। इसी तरह ई रिक्शा संचालन के लिए शहर

को छह जोन में बांटा गया है। यातायात पुलिस अधिकारियों ने इसका प्रजेंटेशन दिया। ई रिक्शा नियमावली लागू होने के बाद ई रिक्शा कॉलोनी के अंतिम छोर तक चलेंगे। मुख्य मार्ग पर प्रतिबंधित रहेंगे। सांसद शर्मा ने कहा कि गरीब को व्यवसाय के अवसर मिलें और ग्रीनरी को बढ़ावा मिले इसके लिए क्या बेहतर हो सकता है ऐसी नियमावली बनाएं। सांसद शर्मा ने शहर के ट्रैफिक में बाधा बन रही रोटरियों को हटाने और लेफ्ट टर्न की सुविधा के लिए इंजीनियरिंग प्लान बनेगा। पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अधिकारी आठ दिन में अपने अपने क्षेत्र में इसका प्राकल्लन तैयार करके देंगे। कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर ने इसकी सहमति दी है।

कंडम वाहन हटाने की पॉलिसी बनाने आरटीओ को निर्देशित किया

सांसद शर्मा के सुझाव पर कलेक्टर कौशलेंद्र सिंह ने शहर से कंडम वाहनों को उठाया जा रहा है। कलेक्टर ने आरटीओ को कहा है कि ऐसी नीति बनाएं जिससे वाहनों की आयु निर्धारित हो और एक निश्चित समय के बाद ऐसे वाहनों को रोड पर ना चलाया जाए, जिससे प्रदूषण फैलता हो। इसी प्रकार कई वर्षों से रोड पर जाम किए हुए कंडम वाहनों को भी हटाने और उन्हें नष्ट करने की नीति बनाकर उन्हें नष्ट किया जाए।

एमपी नगर बनेगा नो व्हीकल जोन

सांसद शर्मा ने कलेक्टर और कमिश्नर भोपाल के साथ बैठक में एमपी नगर को नो व्हीकल जोन बनाने की दिशा में चर्चा की। इस दौरान एमपी नगर व्यापारी संघ के पदाधिकारी भी मौजूद थे। यहां से अतिक्रमण भी हटेगा और पार्किंग व्यवस्था भी सुधरेगी। एमपी नगर के बाद शहर के अन्य बाजारों में भी इसी तरह की व्यवस्था बनाई जाएगी। जिससे लोगों को बाजार आने जाने में और खरीदारी करने में कोई असुविधा न हो।

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल को ऐतिहासिक उपलब्धि, अध्यक्ष-सचिव अवार्ड से सम्मानित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

इंदौर में आयोजित रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के 2024-25 के पुरस्कार समारोह में रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल ने अपनी प्रभावशाली सेवाओं के लिए कुल 30 प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष ज़ोन 26 रोटेरियन मनोज झा सर्वश्रेष्ठ सचिव ज़ोन 26 रोटेरियन श्रीकांत फाटक सर्वश्रेष्ठ क्लब ज़ोन 26 रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल (गोल्डन क्लब) मैजिक ऑफ रोटरी अवार्ड क्लब अध्यक्ष ,सचिव को प्राप्तफाइव स्टार क्लब अवार्ड अध्यक्ष रोटेरियन मनोज झा को प्राप्त पोलियो शिविर पुरस्कार ,रक्तदान पुरस्कार, डिस्ट्रिक्ट होस्ट प्रोग्राम अवार्ड साक्षरता कार्यक्रम पुरस्कार क्लब सेवा पुरस्कार ,पब्लिक इमेज रोटरी पुरस्कार , स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम पुरस्कार ,अंतरराष्ट्रीय सेवा कार्यक्रम पुरस्कार ,एवं कई अन्य सम्मान प्राप्त हुए। जो क्लब के सक्रिय सदस्यों को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष सम्मान प्राप्त हुए। रो. जी. के. छिब्बर, रो. अल्पना मिश्रा, रो. पलाश सुरजन, रो. डॉ. टी. एम. खा़न को उनके द्वारा किए गए प्रकल्पों पर एवार्ड प्राप्त हुए। पी.डी.जी. रो. धीरेन दत्ता को श्रेष्ठ एक्टिव रोटेरियन ऑफ़ द डिस्ट्रिक्ट अवार्ड से नवाज़ा गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. अनीश मालिक एवं फर्स्ट लेडी रो. सीमा मालिक ने क्लब की उपलब्धियों की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई दी और कहा मानवता की सेवा में आपका यह योगदान अत्यंत प्रेरणादायक है। आप इसी तरह सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की मिसाल कायम करते रहें। क्लब के प्रत्येक सदस्य को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए ढेरों शुभकामनाएं और अभिनंदन! सेवा ही रोटरी का सार है और रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल ने इसे साकार कर दिखाया।

जिला पंचायत में हुई स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास स्थायी समिति की बैठक

भोपाल। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास स्थायी समिति की बैठक का आयोजन सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष भोपाल में किया गया। जिसमें माननीय समिति सदस्यों सहित स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। बैठक में समिति सदस्यों को आयुष्मान भारत निरामयम, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति से अवगत कराया गया। समिति सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य विभाग के निर्माणाधीन भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत, मध्याह्न भोजन, मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों की जानकारी ली गई।

समिति के पदेन सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने टीबी मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, मातृ स्वास्थ्य, मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना, जननी सुरक्षा योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, कुष्ठ कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने समिति सदस्यों से आग्रह किया कि वे आमजन को इन योजनाओं के अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

श्रीरामचरितमानस विचार

इहाँ पवनसुत हृदयँ बिचारा । राम काजु सुग्रीवँ बिसारा ।। निकट जाइ चरनन्हि सिरु नावा चारिहु बिधि तेहि कहि समुझावा (किष्किंधाकांड 18/1) सुग्रीव को राजा बनाकर राम जी वर्षा ऋतु में प्रवर्षण पर्वत पर निवास करते हैं। वर्षा ऋतु बीत जाती है, वे लक्ष्मण से कहते हैं कि शरद ऋतु आ गई पर सीता जी की कोई खबर नहीं है, सुग्रीव भी राज पाकर मुझे भूल गया है । दूसरी ओर हनुमान जी ने विचार किया कि सुग्रीव राम काज भूल गये हैं । वे जाकर सुग्रीव को हर प्रकार से समझाते हैं, राम काज की याद दिलाते हैं । मित्रों! सुग्रीव की तरह हम आप भी राम स्मरण भूल बैठे हैं, केवल अपने में लगे हुए हैं । सुग्रीव को समझाने के लिए तो हनुमान जी उनके पास हैं, परंतु हमारे पास कोई नही है, अतः भक्त का साथ करें जो हमेशा आपको भगवान की याद दिलाता रहे।

भाविप्रा एससी, एसटी कर्मचारी कल्याण संघ का चुनाव सम्पन्न, सुरेन्द्र सुत्रकार बने अध्यक्ष

संत हिरदाराम नगर। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एससी, एसटी कर्मचारी कल्याण संघ भोपाल की आम सभा राजाभोज एयरपोर्ट पर रखी गई। जिसमें अधिकारियों और सदस्यों की उपस्थिति में स्थानीय एएसटी, एसटी समिति के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पनन हुए। सिद्वार्थ यादव ने बताया कि नवनिर्वाचित हुए जिसमें अध्यक्ष सुरेन्द्र सुत्रकार, उपाध्यक्ष अल्पना पाटिल, संगठन सचिव डी.एस. वर्मा, सचिव शालिनी भैसारे, सहा. सचिव नरेन्द्र ढोकने, कोषाध्यक्ष सागर बोरकर, समिति सदस्य सचिन कुमार मंडरई, नितिन चोकिकर, सलिल कुमार भगत, अशोक गोडबोले, शिव गोपाल पटेल, भूपेन्द्र वर्मा, संतोष मालवीय शामिल है। सभी को गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया।

आज 1 जुलाई है!

हमारी स्कूल लाइफ की सबसे ज्यादा खुशनुमा तारीख थी, यह। गर्मियों की लम्बी छुट्टियों के बाद 1 जुलाई को स्कूल खुलते थे। नई कक्षा। नई पुस्तक। नया नया बस्ता। दोस्तो से लम्बे इंतजार के बाद फिर नयी ताजगी भरी मुलाकात। नये दोस्त। नये टीचर। और भी बहुत कुछ, नया नया ही तो रहता था, सब कुछ। क्या आप को आज याद आ रहा है, वह सब कुछ।

स्वास्थ्य विभाग ने किया निजी अस्पतालों का निरीक्षण, कई क्लिनिक्स किए बंद

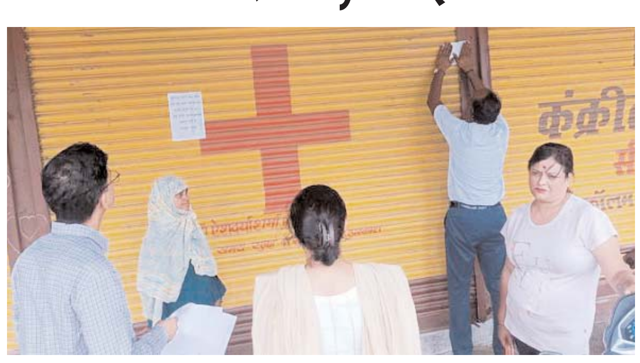

भोपाल। राजधानी भोपाल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा निजी अस्पतालों और क्लिनिक्स की जांच निरंतर की जा रही है। जिसमें नियम विरूद्ध संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थाओं पर कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा अस्पतालों और क्लिनिक्स की जांच की गई। बैरसिया के अचारपुरा मार्ग ईंटखेड़ी में संचालित क्लिनिक में ऐश्वर्या शर्मा नाम की महिला इलाज करते हुए मिलीं। क्लीनिक में संतोषी शर्मा के नाम से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का पंजीयन पाया गया। संचालक द्वारा बताया गया कि क्लीनिक का पंजीयन सीएमएचओ कार्यालय में नहीं करवाया गया है। अपंजीकृत क्लीनिक पर अनाधिकृत प्रैक्टिस करते पाए जाने पर इसका संचालन बंद करवाया गया है। नवोदय कैंसर अस्पताल की जांच के दौरान बायो मेडिकल वेस्ट कंटेनर खुले पाए गए। बायोमेडिकल वेस्ट, कचरे एवं अन्य अपशिष्ट के नियमानुसार निस्तारण न करने, साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए अस्पताल को नोटिस जारी किया जा रहा है। निरीक्षण दल द्वारा अस्पताल आने वाले मरीजों और परिजनों के बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए गए। बैरसिया के अचारपुरा मार्ग ईंटखेड़ी में संचालित क्लिनिक में ऐश्वर्या शर्मा नाम की महिला इलाज करते हुए मिलीं। क्लीनिक में संतोषी शर्मा के नाम से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का पंजीयन पाया गया। संचालक द्वारा बताया गया कि क्लीनिक का पंजीयन सीएमएचओ कार्यालय में नहीं करवाया गया है। अपंजीकृत क्लीनिक पर अनाधिकृत प्रैक्टिस करते पाए जाने पर इसका संचालन बंद करवाया गया है।

ग्वालियर प्रांतीय विचार एवं प्रशिक्षण वर्ग मध्य भारत का 2 दिवसीय संपन्न हुआ।आदरणीय स्वप्निल जी भाई साहब जी का मार्गदर्शन भी मिला।सभी ने वहाँ हर घर स्वदेशी हर युवा उद्यमी बनाने का संकल्प लिया।

खदानों से रेत उत्खनन कार्यो पर प्रतिबंध

विदिशा। सोमवार को कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने मानसून सत्र की अवधि में 30 जून से एक सितम्बर तक जिले की समस्त रेत खदानो से उत्खनन कार्यो पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है। कलेक्टर गुप्ता के द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग इन्दौर के द्वारा जारी वर्षा ऋतु मानसून सत्र की अवधि निर्धारित की है के परिपालन में जिले में रेत उत्खनन पर रोक लगाने के संबंध में स्थानीय मौसम परिवर्तन के आधार पर उक्त निर्धारित वर्षाकाल अवधि में परिवर्तन किया गया है ।

सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति दर्ज कराना तीन अतिथि विद्वानों को पड़ा भारी, आमंत्रण निरस्त

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने रीवा जिले के हनुमना स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान श्री जानकी शरण शुक्ला एवं डॉ. गीता पटेल के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के सम्बंध में निर्देश जारी किए हैं। साथ ही सीधी जिले के खड्डी स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान अभिनंदन पांडे के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। उक्त तीनों अतिथि विद्वान संस्थान में न होकर अन्यत्र स्थान से अमर्यादित एवं अनुचित रूप से सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति लगाकर अनुशासनहीनता करते पाए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर अनुचित तरीके से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले नियमित स्टॉफ पर भी कार्रवाई प्रस्तावित है। उल्लखेनीय है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर फर्जी उपस्थिति दर्ज कर शैक्षणिक परिवेश को दूषित करने को गंभीरतापूर्वक लेकर विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। मंत्री श्री परमार के निर्देश के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिदिन सार्थक उपस्थिति ऐप पर दर्ज प्रत्येक प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों की उपस्थिति का गहन परीक्षण किया जा रहा है और अनुचित तरीके से उपस्थिति दर्ज करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

फील्ड अधिकारियों को दिन में एक बार हाजिरी लगानी होगी

भोपाल। विद्युत वितरण कंपनी ने मैदानी अधिकारियों के लिए सैल्फी अटेंडेंस को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब फील्ड अधिकारियों जिनमें जे.ई. एवं उससे ऊपर के अधिकारी शामिल हैं, को दो बार उपस्थिति दर्ज करने के स्थान पर दिन में कार्यालयीन समय में एक बार उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कंपनी ने कहा है कि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की बढ़ती चुनौतियों एवं कार्य आवश्यकताओं को देखते हुए यह पाया गया है कि फील्ड अधिकारी अक्सर रखरखाव, विद्युत आपूर्ति और अधोसंरचना संबंधी कार्यों के लिए मैदानी भ्रमण पर रहते हैं, जिससे वे उपस्थिति समय-सारणी का पालन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में फील्ड कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये और अधिकारियों की मैदानी आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस (ओएंडएम), एसटीएम/एसटीसी/, सतर्कता, बीआई सेल तथा सिविल विभागों में फील्ड ड्यूटी पर तैनात कनिष्ठ अभियंता (जेई) एवं उससे ऊपर के अधिकारियों को 'अटेंडेंस पोर्टल 2.0' पर दो बार सैल्फी उपस्थिति दर्ज करने की अनिवार्यता से छूट प्रदान की जाए।कंपनी ने स्पष्ट किया है कि फील्ड ड्यूटी पर लगे जे.ई. एवं उससे ऊपर के फील्ड अधिकारी किसी भी सुविधाजनक समय पर केवल एक बार उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। हालांकि कॉर्पोरेट कार्यालय में पदस्थ अधिकारी या फील्ड इकाइयों में केवल कार्यालयीन कार्य कर रहे अधिकारी, पूर्ववत दो बार उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली का पालन पूर्ववत-करते रहेंगे। अन्य सभी कर्मचारियों, जिनमें आउटसोर्स कर्मचारी भी शामिल हैं, पर प्रचलित उपस्थिति प्रणाली प्रातः 10-00 बजे तक पंच-इन तथा शाम 6-00 बजे तक पंच-आउट करेंगे। कार्यावधि 8 घंटे की लागू रहेगी।कंपनी ने कहा है कि यह छूट केवल फील्ड गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए है तथा यह सुविधा कार्मिकों के कार्यस्थल पर उपस्थित रहने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करती। यह व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 01 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी।

लापरवाह अधिकारियों पर होगी सख्त कार्यवाही : मंत्री कृष्णा गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि समय पर काम नहीं करने वाले लापरवाह अधिकारियों कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही होगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर सोमवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 66 में जनसंपर्क के दौरान जनता की समस्याओं को सुन रही थी। उन्होंने गोविंदपुरा क्षेत्र में जे.के. रोड स्थित गोयल अपार्टमेंट क्षेत्र के रहवासियों द्वारा नाली सफाई, जर्जर सर्विस रोड और रात्रि के समय अंधेरे के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इंद्रपुरी -ए- सेक्टर में जनसंपर्क के दौरान पार्क की स्वच्छता, घास की कटाई एवं सौंदर्यीकरण के लिये आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही नाली में जमा कचरे की शीघ्र सफाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। छत्तीसगढ़ लेबर कॉलोनी का निरीक्षण कर रहवासियों से संवाद किया। स्थानीय समस्याओं विशेषकर नाली सफाई, नाली निर्माण और सीवेज लाइन से संबंधित प्रकरणों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। छत्रसाल नगर फेस- 1 के रहवासियों ने बताया कि आसपास की कॉलोनियों में जल भराव हो जाता है। सड़के जर्जर हो चुकी हैं, पेयजल की भी समस्या है। राज्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सड़क बनाने और पानी की टंकी का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। रविदास नगर के पार्क में पौधरोपण किया और रहवासियों की मांग पर गणेश उत्सव के पहले शेड निर्माण, पेपर ब्लॉक व फ्लोरिंग कार्य कराए जाने के लिये निर्देश दिए। साथी ही नर्मदा जल के लिए बल्क कनेक्शन दिए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। भारत नगर में जर्जर हो गई सड़कों के निर्माण, पार्क की बाउंड्री वॉल और सौंदर्यकरण के निर्देश दिए। नैनागिरी आजाद पार्क में नाले पर से अतिक्रमण हटाने और नाले की सफाई के निर्देश दिए। बार-बार बिजली जाने और वोल्टेज कम होने की शिकायत को दूर करने अधिकारियों को निर्देशित किया। छत्रसाल नगर फेज -2 में शहीद मनोज सोनी स्मृति पार्क के सौंदर्यकरण, हाईमास्ट लगाने और पेड़ों की छटाई के निर्देश दिए। कॉलोनियों की नालियां चौक हो गई है, उन्हें साफ करने, सीवेज लाइन की मरम्मत और जर्जर सड़कों को बनाने के निर्देश भी दिए। कर्मवीर नगर पार्क में नवनिर्मित कम्युनिटी हॉल का निरीक्षण कर अधूरे कार्य को जल्द पूरा करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान पार्षद श्रीमती शिरोमणि शर्मा, उर्मिला मोर्य, लवकुश यादव, सुभाष पगारे, भीकम सिंह बघेल, राकेश राजपूत, छोटू पंडित और अधिकारी मौजूद रहे।

बोर्ड के जमा होंगे परीक्षा फॉर्म, 13 साल से कम उम्र के विद्यार्थी नहीं ले पाएंगे 9वीं में प्रवेश

भोपाल। 1 जुलाई मंगलवार से बोर्ड परीक्षा फॉर्म जमा किए जाएंगे। बोर्ड ने वर्ष 2025-26 के लिए 9वीं से 12वीं तक की प्रवेश नीति जारी कर दी है। इसके अनुसार 9वीं कक्षा में 13 साल से कम उम्र के विद्यार्थी प्रवेश नहीं ले पाएंगे। एमपी बोर्ड ने अपने परीक्षा फॉर्म में अपार आईडी अनिवार्य कर दी है। नई शिक्षा नीति आने के बाद एमपी बोर्ड ने कई बदलाव किए हैं।1 जुलाई मंगलवार से बोर्ड परीक्षा फॉर्म जमा किए जाएंगे। बोर्ड ने वर्ष 2025-26 के लिए 9वीं से 12वीं तक की प्रवेश नीति जारी कर दी है। इसके अनुसार 9वीं कक्षा में 13 साल से कम उम्र के विद्यार्थी प्रवेश नहीं ले पाएंगे। इसी के साथ एमपी बोर्ड ने अपने परीक्षा फॉर्म में अपार आईडी अनिवार्य कर दी है। 10वीं और 12वीं के परीक्षा फॉर्म एक जुलाई से 15 सितंबर तक भरे जाएंगे। इसके लिए 1200 रुपए ऑनलाइन जमा होंगे। जबकि कक्षा 9वीं का ऑनलाइन नामांकन एक जुलाई से 30 सितंबर तक होगा। विद्यार्थियों को सामान्य शुल्क के तौर पर 350 रुपए जमा करना होंगे। 10वीं-12वीं के परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन आवेदन जमा करने की तिथि एक जुलाई से 15 सितंबर रखी गई है।

पहले ही मिल जाएगा डमी प्रवेश पत्र

एमपी बोर्ड ने इस साल छात्रों की सहूलियत के लिए बड़ा बदलाव किया है। परीक्षा फॉर्म या नामांकन फॉर्म भरने की अंतिम तारीख के सात दिन बाद बोर्ड डमी प्रवेश पत्र उपलब्ध कराएगा। हर शाला प्राचार्य डमी प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से डाउनलोड कर यह सुनिश्चित करेंगे विषय तथा माध्यम में कोई गलती तो नहीं हुई है। सत्यापन विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों से अनिवार्य रूप से कराया जाएगा।

परीक्षा फॉर्म में त्रुटि हुई तो प्रिंसिपल होंगे जिम्मेदार

मान्यता प्राप्त संस्था प्रिंसिपल यह सुनिश्चित करेंगे कि संस्था में अध्ययनरत सभी विद्यार्थी के परीक्षा फॉर्म में कोई त्रुटि तो नहीं हुई है। सभी प्राचार्यों को छात्रों के आवेदनों में कोई गलती नहीं है, ऐसा घोषणा-पत्र ऑनलाइन अपलोड करना होगा। घोषणा-पत्र अपलोड नहीं होने पर संस्था के विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र अपलोड नहीं किए जाएंगे। अगर कोई गलती पाई जाती है तो इसके जिम्मेदार प्रिंसिपल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और दृष्टि ने जल-संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदला: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 1568 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया

पंचायतों के 578 करोड़ की लागत से 57,207 कार्यों का लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों, विशेषत- जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पानी की एक-एक बूँद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित %जल गंगा संवर्धन अभियान% के समापन अवसर पर जारी अपने संदेश में यह बात कही। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित प्रदेशवासियों को इस सफलता के लिये बधाई भी दी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ीपड़वा से आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का सोमवार को खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वॉटर शेड सम्मेलन भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में 1568 करोड़ रुपये

के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करोड़ लागत के 57207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटर-शेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं 3 अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश की जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावडियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। इस विरासत को समृद्ध करते हुए %जल गंगा संवर्धन अभियान% नदियों को निर्मल, अविरल और सदानीरा बनाने के लिए जन-जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास रहा है। जन भागीदारी की शक्ति से ऊर्जित यह एक उत्कृष्ट अभियान बना जिसमें मध्यप्रदेश के सामर्थ्यवान व प्रकृति प्रेमी साथियों का योगदान प्रशंसनीय रहा है। जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण में खंडवा की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पर्यावरण के साथ जुड़ाव और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ व सुंदर धरा सुनिश्चित करने का हमारा संकल्प जन-जन के भागीरथ प्रयासों से ही संभव हो पाएगा। इस कड़ी में %वॉटरशेड सम्मेलन% का आयोजन जल संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के अनुभव साझा करने और हर स्तर पर जल प्रबंधन की रणनीतियों को सशक्त करने का माध्यम बनेगा। %एक पेड़ मां के नाम% कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में तीस हज़ार एकड़ से अधिक भूमि पर फलोद्यान विकसित करने की योजना, मातृभक्ति-पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण को एक साथ जोड़ने की सराहनीय पहल है। यह कार्यक्रम नदियों के किनारे हरियाली बढ़ाने और भू-जल स्तर सुधारने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में विभिन्न योजनाओं और निर्णयों में जल संरक्षण से जुड़े पहलुओं को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी गई है। नमामि गंगे मिशन हो, केन-बेतवा लिंक परियोजना हो या नर्मदा-क्षिप्रा पुनर्जीवन की पहल, हम जल संरक्षण व पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। जल संरक्षण आज हमारी सामाजिक और आर्थिक जरूरत भी है, क्योंकि जल संरक्षित रहेगा तो हमारे किसान खुशहाल रहेंगे, उद्योग चलेंगे और सभी प्राणियों का जीवन सुरक्षित रहेगा। अमृतकाल में एक भव्य व विकसित भारत के निर्माण की ओर अग्रसर हमारे प्रयासों को देश की सामूहिकता की शक्ति एक नई ऊंचाई देगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि वर्षा ॠतु में जल संरक्षण व वृक्षारोपण के लिए देशवासियों के प्रयास देश की उन्नति में सहायक होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को एक नहीं, तीन राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है, जो भविष्य में देश-प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन की नई दिशा तय करेंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी को वर्तमान युग का भागीरथ बताया। उनके नेतृत्व और दृष्टि ने जल संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदल दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ी पड़वा 30 मार्च से 30 जून तक सभी जिलों में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए नवाचार किए गए। अभियान में मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण एवं जल संरचाओं का जीर्णोद्धार किया गया। जल स्त्रोतों के संरक्षण में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सहयोग मिला, वे जल संवर्धन के संवाहक बने हैं। कुल 38 हजार नए खेत तालाब बनाए गए हैं।

एक बगिया मां के नाम परियोजना 15 अगस्त से होगी शुरू

भोपाल। प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी द्वारा स्वसहायता समूह की महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए पूरे देश में ज्ञान अभियान चलाया जा रहा है। पीएम श्री मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरित होकर प्रदेश में भी नई परियोजना शुरू की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर स्वसहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बड़ी घोषणा की है। प्रदेश में मनरेगा के माध्यम से ÷एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना चलाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत मनरेगा के माध्यम से प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व सहायता समूह की पात्र महिलाओं की निजी भूमि पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे जो महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे।

प्रदेश की स्व-सहायता समूह की 30 हजार से अधिक महिलाओं की 30 हजार एकड़ निजी भूमि पर ''एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना के अंतर्गत पौधरोपण किया जाएगा। लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत से आजीविका संर्वद्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फलोद्यान का विकास किया जाएगा।परियोजना के तहत हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्?ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही उद्यान के विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना अंतर्गत फलदार पौधारोपण का कार्य प्रदेश में 15 अगस्त से अभियान के रूप में शुरू होगा जो 15 सितंबर तक चलेगा।

पौधरोपण की इच्छुक महिलाओं का होगा चयन

एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना के अंतर्गत आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की ऐसी महिला सदस्य, जो फलदार पौधारोपण करने हेतु इच्छुक हों, का चयन किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति-पिता-ससुर-पुत्र की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

सीएम मोहन यादव 4 जुलाई को मेधावी छात्रों को बाटेंगे लैपटॉप

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को खंडवा में एक बड़ा ऐलान किया है। यह घोषणा 12वीं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को लेकर किया गया है। उन्होंने बताया कि इन छात्रों को 4 जुलाई को लैपटॉप और साइकिल दी जाएगी। यह योजना छात्रों के लिए एक नई दिशा और अवसर प्रदान करने वाली है, जो शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का कारण बनेगी। मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा कि 75त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 12वीं के छात्रों को लैपटॉप मिलेंगे। इसके साथ ही सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि इस साल से 6वीं से 9वीं तक के छात्रों को साइकिल दी जाएगी। यह पहल खासतौर से ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के छात्रों के लिए है, ताकि उनका स्कूल तक पहुंचना और शिक्षा प्राप्त करना आसान हो सके। इस योजना से करीब 94 हजार छात्र लाभान्वित होंगे। सरकार की ओर से हर छात्र को 25 हजार रुपए की राशि मिलेगी। इससे वे अपनी पसंद का लैपटॉप खरीद सकेंगे। छात्र लैपटॉप खरीदने के बाद उसकी रसीदस्कूल प्रिंसिपल को देंगे, जो विभाग को भेजी जाएगी।

ड्रेस की राशि भी छात्रों के खातों में डालेगी सरकार

सीएम मोहन यादव ने आगे बताया कि वर्तमान में किताबों के लिए राशि छात्रों के खाते में डाली जाती है, लेकिन आने वाले समय में सरकार ड्रेस की राशि भी उनके खातों में डालने का फैसला लिया गया है। यह कदम छात्रों के लिए एक और राहत भरा निर्णय होगा।

यह कदम न सिर्फ छात्रों के लिए एक शानदार अवसर है, बल्कि इससे प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में सामाजिक बदलाव भी देखने को मिलेगा। लैपटॉप की योजना से डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। वहीं साइकिल योजना से छात्रों को स्कूल जाने में आसानी होगी। इससे ड्रॉपआउट दर कम होगी।

पोषण ट्रेकर एप का प्रशिक्षण निचले अमले को अवश्यक दे, अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें: मंत्री निर्मला भूरिया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रदेश में पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों के शारीरिक माप (ऊंचाई, वजन एवं आयु के अनुपात में पोषण स्थिति) से संबंधित आंकड़ों का सतत विश्लेषण किया जा रहा है। इन आकड़ों के आधार पर राज्य में पोषण स्तर में सुधार के लिए त्वरित एवं क्षेत्र विशेष की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना बनाई जा रही है। सुश्री भूरिया ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप न केवल बच्चों के शारीरिक माप बल्कि बच्चों के कुपोषण की स्थिति जैसे बोनापन, कम वजन आदि की पहचान में भी सहायक है। इसकी सफलता काम कर रहे इस बात पर निर्भर करती है कि निचले स्तर के अमले इस ऐप का उपयोग सही तरीके से कर रहे है अथवा नहीं। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, सुपरवाइजर सभी को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। निरंतर मॉनिटरिंग करने से त्रुटि को पकड़ा जा सकेगा।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जिस तरह झाबुआ जिले में %मोटी आई के कन्सेप्ट से कुपोषण में कमी हुई है। इसी तरह अधिकारियों को नवाचार करना चाहिए। हर बच्चे का रिकार्ड रखें, उनकी निगरानी करें। अधिक कमजोर बच्चों को चिकित्सीय सहयोग उपलब्ध कराएं। अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप के आँकड़े और वास्तविक आँकड़ों मे फर्क इसलिए दिखता है क्योंकि हम सही मॉनिटरिंग नहीं कर रहे है। हर स्तर पर डेटा की मॉनिटरिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहॉ बालिकाओं के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू कि गई, महिलाओं को हर महीने लाड़ली बहना के तहत निश्चित राशि अंतरित की जा रही है। पर इस बात की मॉनिटरिंग भी होनी चाहिए कि महिलाएं इस राशि का उपयोग कर अपने बच्चों के पोषण पर ध्यान रख रही है अथवा नहीं। श्रीमती शमी ने कहा कि यह कार्यशाला डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप एक डेटा-ड्रिवन अप्रोच के जरिए प्रदेश के बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने और उन्हें सुपोषण की ओर ले जाने मे महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने कहा कि कुपोषण एक बड़ी समस्या

है जिसके अनेक कारण है। जिस क्षेत्र मे कुपोषण के आँकडे बड़े हुए है, वहां पर संबंधित अधिकारी को हर स्तर पर इसकी जाँच करना होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी को एनआरसी की पूरी जानकारी होना चाहिए कि उसमें कितने बेड खाली है, डॉक्टर्स से निरंतर बात कर ॠरू ॠरूबच्चों की जानकारी लें। कुपोषण को दूर करने लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय अत्यन्त महत्वपूर्ण है। श्रीमती वली ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप में सही उपयोग से कुपोषण की पहचान करना, समय पर हस्तक्षेप करना और कुपोषण को कम करना संभव है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के बीच कनर्वेजेन्स सुनिश्चित करके अधिक प्रभावी ढंग से काम किया जा सकता है। इस अवसर पर विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती स्वर्णिमा शुक्ला ने पीपीटी के माध्यम से पोषण ट्रेकर ऐप तथा कुपोषण की जिलेवार स्थिति की जानकारी दी। कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों को भारत सरकार के पोषण ट्रेकर ऐप एवं राज्य स्तर से क्रियान्वित संपर्क ऐप के बारे में तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदाय किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंत्री परिषद की बैठक से पहले वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार को उनके जन्मदिवस पर पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

इस बार 1250 की जगह खाते में आएंगे 1500 रुपए

भोपाल। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के लिए खुशखबरी है। जुलाई का महीना लग गया है और जल्द ही योजना की 26वीं किस्त जारी की जाएगी।मोहन सरकार की घोषणा के अनुरूप जुलाई में योजना की तय राशि 1250 के अलावा बहनों के खाते में शगुन के तौर पर 250 रुपए अतिरिक्त भेजे जाएंगे। दरअसल, वर्तमान में योजना के तहत 1250 रूपये प्रति माह की राशि लाड़ली बहनों को दी जा रही है। योजना के तहत इस महीने प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन मनाने के लिए 1250 के साथ 250 रुपए की अतिरिक्त राशि उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर मध्यप्रदेश उभरता हुआ सितारा, विदेशी पर्यटकों का बढ़ रहा आकर्षण

पर्यटकों के लिए मॉन्यूमेंट गुरु है गाइडः प्रमुख सचिव शुक्ला

टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम में सर्वश्रेष्ठ गाइड को 2 लाख रूपये की सम्मान राशि

मध्यप्रदेश में गाइड्स के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर गाइड पर्यटकों के %मॉन्यूमेंट गुरु% होते है। पर्यटन स्थल के बारे में जितनी जानकारी गाइड देते है उतना ही पर्यटक जान पाते है। इसलिए गाइड द्वारा किया पर्यटकों को प्रामाणिक और शोध की गई जानकारी दी जानी आवश्यक है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में गाइड उन्मुखीकरण और कौशल

विकास कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने गाइड्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम (ऋज्ञ्रस्) के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले गाइड को आगामी वर्ष से पुरस्कार स्वरूप क्रमश- 2 लाख रुपये, 1 लाख रुपये एवं 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए विभिन्न भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करें और मधुर व्यवहार रखें। प्रेरक के रूप में कार्य करते हुए पर्यटकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित भी करें। पर्यटन स्थल की जानकारी के साथ प्रदेश की उपलब्धियों और विशेषताओं की जानकारों दे। आसपास के पर्यटन स्थलों से पर्यटकों को अवगत कराए। इससे मध्यप्रदेश के प्रति पर्यटकों में रुचि बढ़ेगी और वह फिर से पर्यटन के लिए मध्यप्रदेश आयेंगे। सभी गाइड किसी भी पर्यटक के लिए केयर टेकर की भूमिका निभाएं। इससे निश्चित ही पर्यटक सुखद और अविस्मरणीय अनुभव अपने साथ ले जाएंगे। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि आगामी समय में गाइड की संख्या में वृद्धि किए जाने के साथ गाइड को दी जाने वाली सुविधाओं में वृद्धि की जायेगी। साथ ही उनके कौशल को निखारने के लिए तकनीक आधारित वर्कशॉप और ऑनलाइन सेशन लिए जायेगे। अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि गाइड्स, पर्यटन विभाग और पर्यटकों के बीच ब्रिज के रूप में कार्य करते हैं। वे ही प्रदेश और देश के गौरवशाली इतिहास को पर्यटकों से साझा करते हैं। उनकी कुशलता से ही आगंतुकों को हमारी समृद्ध परंपराओं और संस्कृति का ज्ञान होता है। मध्य प्रदेश में वर्तमान में 72 गाइड अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जल्द ही 313 पदों पर गाइड की भर्ती शुरू की जाएगी। सुश्री मुखर्जी ने कहा कि गाइड्स की दक्षता को बढ़ाने के लिए आगे भी कार्यशालाएं आयोजित जाएगी। गाइड्स को अलगङ्कअलग भाषाओं के ज्ञान के साथ ही तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा हैं। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के रीजनल डायरेक्टर श्री भुवन विक्रम सिंह ने कहा कि गाइड्स स्थानीय संस्कृति के परिचायक हैं। वे पर्यटकों के दिग्दर्शक हैं, जो उनकी यात्रा को अविस्मरणीय बनाते हैं। भारतीय संस्कृति से विश्व भर के पर्यटकों को अवगत कराते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कार्यरत लाइसेंसधारी राज्य स्तरीय एवं स्थानीय गाइड्स के प्रशिक्षण, कार्यकुशलता में वृद्धि एवं व्यवहारिक दक्षता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह भारतीय पुरातत्व

सर्वेक्षण, राज्य पुरातत्व संग्रहालय एवं अभिलेखागार भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, ढ्ढढ्ढञ्जञ्जरूग्वालियर एवं विषय विशेषज्ञों के सहयोग से किया जा रहा है। इस दौरान विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों में पर्यटन स्थलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रस्तुतिकरण कौशल, नई तकनीक, पर्यटकों के साथ संवाद शैली तथा पर्यटन संबंधी विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम से चयनित गाइड्स ओरछा से शशि भूषण सिंह-प्रथम, सांची से सुरेंद्र सिंह भदौरिया द्वितीय और खजुहारो से राजेश अवस्थी तृतीय को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद् श्री मनोज कुर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दूसरे दिन 1 जुलाई, मंगलवार को सुबह 7 बजे से हैरिटेज वॉक का आयोजन भी किया जाएगा। कमला पार्क से सदर मंजिल तक आयोजित होने वाली इस हैरिटेज वॉक में गाइड्स को ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर उनकी विरासत, सांस्कृतिक महत्व एवं स्थानीय कहानियों को व्यावहारिक रूप में समझने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने जल संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य हेतु किया नगर निगम छिंदवाड़ा को सम्मानित

छिंदवाड़ा। शासन द्वारा 30 मार्च से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिसके अनुसार महापौर विक्रम अहके की सहभागिता से जिला कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में निगमायुक्त चंद्रप्रकाश राय द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके फलस्वरूप उत्कृष्ट कार्य हेतु खंडवा में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा महापौर विक्रम अहके एवं नगर निगम आयुक्त चंद्रप्रकाश राय को सम्मानित किया गया।

इस अभियान के अंतर्गत नगरीय सीमा में शहरी सीमा के बिगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर उनका हरित विकास किया गया। इसमें चिन्हित 12 पार्कों का पुनरुद्धार भी किया गया। इन पार्कों में ओपन

जिम, ग्रीन लॉन, लाइटिंग, योग प्लेटफार्म, पेयजल सुविधा, बच्चों के झूले, लोहे के गेट, वॉकिंग ट्रैक, वाटर पाइपलाइन, पेवर ब्लॉक, पौधारोपण, जल निकासी व्यवस्था वाटरिंग सिस्टम एवं प्ले एरिया के विकास किया गया। नगरीय निकायों में जल संरचनाओं के संवर्धन हेतु भी अभियान में विशेष कार्य किए गए। जिसमें शहर की पांच जल संरचनाओं के 7.07 एकड़ क्षेत्र में सफाई एवं गहरीकरण का कार्य करते हुए 24,617 घन मीटर गाद निकाली गई जिससे उनकी जल भरण क्षमता में 27त्न तक वृद्धि हुई। छिंदवाड़ा नगर के विभिन्न क्षेत्रों के 2.08 एकड़ भूमि को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए तैयारी पूर्ण की गई। अमृत मित्र अंतर्गत युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई जो डिजिटल एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वयं सेवक के रूप में जागरूकता अभियान चला रहे है। नगर निगम छिंदवाड़ा द्वारा जल के अपव्यय को रोकने के लिए ठोस कदम भी उठाए गए इसके साथ ही नदियों में मिलने वाले नालों के शोध की कार्य योजना का क्रियान्वयन भी निगम द्वारा किया गया।

छिन्दवाड़ा और पाण्ढुर्णा में 123 किमी की पदयात्रा कर बैतूल की सीमा में पहुचें सांसद

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने छिन्दवाड़ा से खण्डवा तक 411 किलोमीटर की 14 दिवसीय पदयात्रा के दौरान पदयात्रा के पॉचवे दिन छिन्दवाड़ा और पाण्ढुर्णा जिले में 123 किलोमीटर की पदयात्रा पूरी करते हुये 30 जून की रात को बैतूल की सीमा में प्रवेश कर लिया है। सांसद श्री साहू ने सोमवार की सुबह अपने पॉचवे दिन की पदयात्रा की शुरूआत पाण्ढुर्णा शहर से की। सांसद श्री साहू की पदयात्रा सोमवार की रात बैतूल जिले की सीमा के ग्राम चिचड़ा पहुचीं, जहॉ सांसद श्री साहू एवं पदयात्रियों ने रात्रि विश्राम किया। सांसद श्री साहू की इस पदयात्रा को लोगों का बड़ी संख्या में जनसमर्थन प्राप्त हो रहा है। पदयात्रा के दौरान प्रतिदिन दादाजी धूनीवाले के भक्तों की संख्या बढ़ते ही जा रही है। हर दिन नये पदयात्री पदयात्रा में शामिल हो रहे है।

सांसद बंटी विवेक साहू ने उनकी धर्मपत्नि श्रीमति शालिनी साहू के साथ पॉचवे दिन की पदयात्रा की शुरूआत सोमवार की सुबह श्री दादाजी दरबार पाण्ढुर्णा में पूजा अर्चना और आरती के साथ की। इस दौरान सांसद श्री साहू पदयात्रा करते हुये पाण्ढुर्णा शहर में वसई वार्ड, संत रविदास वार्ड, मजदूर केन्द्र, शिवाजी वार्ड, जयस्तंभ चौक, संत जगनाड़े चौक, खारी वार्ड, श्री दादाजी दरबार भोपाल रोड़, टेकड़ी वार्ड होते हुये भोपाल बाईपास होकर ग्राम तिगांव की ओर बढ़ गये।

सांसद श्री साहू ने भंदारगोंदी, देवखापा, खेड़ीकलां, तिगांव होते हुये दादाजी दरबार मोही पहुचें। मोही में सांसद श्री साहू एवं पदयात्रियां ने दोपहर का भोजन किया। दोपहर के भोजन के बाद पदयात्रा मोही होते हुये रात को ग्राम चिचड़ा पहुची। चिचड़ा में सांसद श्री साहू एवं पदयात्रियां ने रात्री विश्राम किया। एक जुलाई को पदयात्रा के छटवे दिन मंगलवार की सुबह चिचड़ा से पदयात्रा की शुरूआत की जायेगी।

संपादकीय

राह चलते मामूली बातों पर हो रहा विवाद, रौब दिखाने के चक्कर में हो रही हत्या

यह समझना मुश्किल है कि महंगी गाड़ियों में हथियार लेकर चलने के शौक के पीछे कौन-सी ग्रंथि काम कर रही होती है। मगर कई बार सड़क पर शान या रौब और दूसरे पर हावी होने की जैसी प्रवृत्ति पाई जाती है, उसमें कुछ लोगों की आक्रामकता दूसरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

बात बात में आपस में भिड़ जा रहे लोग पिछले कुछ वर्षों से शहरों-महानगरों में सड़कों पर यह विडंबना तेजी से बढ़ी है कि बेहद मामूली बात पर दो पक्ष आपस में उलझ जाते हैं और कई बार टकराव इस कदर हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेता है कि उसमें किसी की जान चली जाती है। सड़कों पर हिंसा की यह एक ऐसी प्रवृत्ति है, जो न केवल नाहक उपजे तात्कालिक गुस्से के बेलगाम होने का नतीजा होती है, बल्कि इसका अंजाम एक अपराध के रूप में भी सामने आता है। आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें दो वाहन चालक या लोग गलती से हल्की टक्कर होने या फिर बेहद छोटी बात पर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को दिल्ली के नंदनगरी इलाके में गलती से एक ई-रिक्शा एक कार से टकरा गया, जिससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। मगर सिर्फ इतनी-सी बात के लिए कार चालक ने आवेश में आकर ई-रिक्शा चालक को गोली मार दी।

यह समझना मुश्किल है कि महंगी गाड़ियों में हथियार लेकर चलने के शौक के पीछे कौन-सी ग्रंथि काम कर रही होती है। मगर कई बार सड़क पर शान या रौब और दूसरे पर हावी होने की जैसी प्रवृत्ति पाई जाती है, उसमें कुछ लोगों की आक्रामकता दूसरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। खासकर जब उसके पास कोई खतरनाक हथियार भी हो। नतीजतन, जिन बातों पर टकराव भी नहीं होना चाहिए, उन पर हत्या तक कर दी जाती है।

नंदनगरी में बेहद मामूली बात पर ई-रिक्शा चालक को गोली मार देने के पीछे भी आक्रोश था, जिसे कुछ पल के धीरज से टाला जा सकता था। दरअसल, अपनी गाड़ी से किसी अन्य वाहन के छू जाने, हल्की टक्कर होने या फिर आगे निकलने पर होने वाली बहसें आजकल चिंताजनक रूप से हिंसक टकराव में तब्दील होती देखी जा रही हैं। सड़कों पर यह एक ऐसी विकृति पल रही है, जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, क्योंकि अनदेखी करने लायक बातों पर भी जिस तरह के टकराव खड़े हो जाते हैं, उनमें वहां बात करने और आपसी समझ और सद्भाव से विवाद को सुलझाने की गुंजाइश कम होती जा रही है।

डॉक्टर दिवस : डॉक्टर हमारे समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

वे हर उम्र के लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के संरक्षक होते हैं।

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि एक डॉक्टर की मुस्कुराहट, उसकी दवाओं से कहीं ज्यादा असर करती है। डॉक्टर का दर्जा हमारे समाज में बहुत ऊंचा है। हर साल 1 जुलाई को भारत में डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। भारत के मशहूर चिकित्सक डॉ. बिधान चन्द्र रॉय को श्रद्धांजलि देने के लिए डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। कई डॉक्टर्स समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ साथ लगातार परिवर्तन लाने की कोशिश भी कर रहे हैं।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि आपको शायद कभी ऐसा अनुभव हुआ हो जो कि किसी बहुत ही मधुर भाषी, कुशल और सुप्रसिद्ध चिकित्सक ने किसी रोगी का परीक्षण करते हुए मीठे ढंग से, प्रभावशाली शब्दों में रोगी से कहा हो- %फिक्र न करें, आपकी जांच मैंने कर ली है। चिन्ता की कोई बात नहीं है। आप बहुत जल्दी ठीक हो जाएंगे।% आपने देखा होगा कि चिकित्सक के ऐसे मधुर व्यवहार और है आश्वासन से रोगी की आधी बीमारी उसी वक्त थी ठीक हो जाती है। उसके मुरझाए हुए चेहरे पर एक रौनक सी आ जाती है। उसके दिलो दिमाग से एक बोझ सा हट जाता है और हाथ पैरों में जान आ जाती है। ऐसा क्यों होता है? ऐसा सिर्फ इसीलिए होता है कि वह रोगी चिन्ता, निराशा और घबराहट से मुक्त हो जाता है। अधिकांश स्त्री-पुरुषों का ऐसा स्वभाव ही होता है कि जरा से कष्ट से घबरा जाते हैं। मन में आशंकाएं करने लगते हैं। ऐसे लोग खुद चाहते हैं कि कोई उनको ढांढस दे, हिम्मत बंधाए और उनकी यही इच्छा चिकित्सक के आश्वासन से पूरी हो जाती है। तो उन्हें तत्काल ऐसा लगता है कि भई, अमुक चिकित्सक तो कमाल का व्यक्ति है, उसके हाथ में शिफ़ा है। आधी बीमारी तो उसके हाथ लगाते ही दूर हो जाती है। रोगी की मानसिकता पर जो जादुई असर चिकित्सक से मिलने पर होता है वैसा असर अपने मनोबल से, इच्छा शक्ति से और विवेक से काम लेकर रोगी खुद भी पैदा कर सकता है। जो व्यक्ति फिसल कर गिर पड़ने पर खुद ही उठ कर खड़ा हो जाए उसे किसी के सहारे की जरूरत नहीं पड़ती। उठना तो होगा ही, भले ही आप खुद उठकर खड़े हो जाएं या दूसरे आपको उठा कर खड़ा करें। और दरअसल खुद का उठकर खड़े होना ज्यादा अच्छा है क्योंकि यह आपकी क्षमता का प्रतीक है और यह खबर देता है कि बाद में आप फिर से न गिरेंगे।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि अपना डॉक्टर अपने अंदर होता है। आप कहेंगे कि हमारे शरीर के अंदर डॉक्टर ? यह भी क्या बात हुई भला ? अंदर कोई दवाखाना खुला हुआ है क्या ? तो पहले डॉक्टर शब्द का मतलब समझिए। हमने एक मेडिकल छात्र से पूछा कि डॉक्टर शब्द का अर्थ क्या है तो वह झट से बोला, चिकित्सक । उसका कहना गलत नहीं क्योंकि %डॉक्टर% शब्द का उपयोग %चिकित्सक% के लिए व्यापक रूप से किया ही जाता है। लेकिन डॉक्टर का मतलब सिर्फ चिकित्सक ही नहीं होता। डॉक्टर शब्द ड्रॉक्ट्राइन से बना है, जिसका अर्थ है शिक्षा या विद्या और डॉक्टर का शाब्दिक अर्थ है विद्वान, पंडित, ज्ञानी। इसीलिए साहित्य के भी %डॉक्टर% होते हैं और कई विद्वानों को %डॉक्टर% की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित भी किया जाता है। ऐसा ही एक ज्ञानी, एक पंडित, एक चिकित्सक, एक परामर्शदाता हमारे शरीर के अंदर भी सदा मौजूद रहता है, जो शरीर के भले बुरे को जानता है, जो शक्ति और ऊर्जा का स्वरूप है, चेतन शक्ति है। इसे चिकित्सा की भाषा में %जीवनीशक्ति%, अंग्रेजी में %वाइटेलिटी%, यूनानी हिकमत में %कुव्वते हयात% और आध्यात्मिक रूप में रूह या जीवात्मा कहते हैं। शरीर के अंदर मौजूद यह डॉक्टर शरीर की व्यवस्था और स्वास्थ्य रक्षा के प्रबंध करता रहता है, हमारे आहार-विहार में की गई हमारी छोटी-मोटी भूलों को सुधार कर रोगों से हमारी रक्षा करता रहता है और हमें उचित परामर्श देता रहता है जिसे अंतरात्मा की आवाज कहा जाता है।

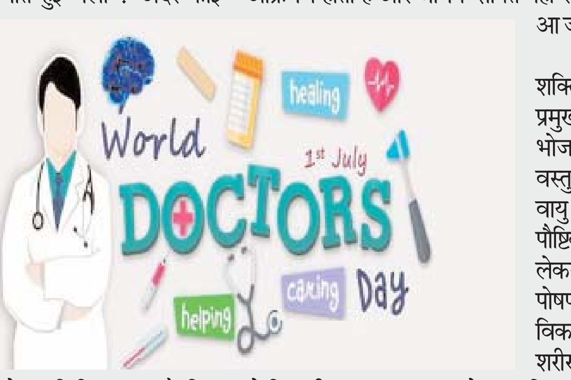

धर्म शास्त्र एवं सन्त महात्मा बताते रहे हैं कि आनन्द अपने अन्दर मिलता है तथा संसार के सभी दुःखों का मूल कारण अज्ञान है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा का भी सिद्धान्त है कि भीतर उपस्थित जीवन-शक्ति द्वारा स्वास्थ्य प्राप्त होता है और स्वास्थ्य सम्बन्धी नियमों के अज्ञान के कारण ही बाहर भटकना पड़ता है।

हमारे शरीर के स्वास्थ्य का मुख्य आधार एक शक्ति है, जिसे धार्मिक भाषा में आत्मा, अंग्रेजी में लाईफ फोर्स, डॉक्टरी विचार से वाइटलिटी या रेजिस्टेन्स पॉवर, यूनानी तिब्त में कुअते-हयात और प्राकृतिक चिकित्सा में जीवन-शक्ति कहते हैं। यदि हमारी जीवन-शक्ति ठीक है तो हम रोग मुक्त रह सकते हैं। दुर्बल हैं तो रोगों का आक्रमण होता है और जीवन-शक्ति नहीं रहने से मृत्यु आ जाती है।

जीवन शक्ति के तीन प्रमुख कार्य - भोजन की वस्तुओं और वायु मण्डल से पौष्टिक तत्वों को लेकर शरीर का पोषण एवं विकास करना। शरीर के अन्दर से विजातीय द्रव्य तथा मल को बाहर निकाल कर शुद्ध रखना। शरीर के प्रत्येक अंग को ठीक रखना और आवश्यक हो तो उनकी मरम्मत भी करना।

पहला कार्य-पोषण, निर्माण एवं विकास - जीवन-शक्ति जब आहार के पाचन का कार्य करती है, तब उसे जठराग्नि तथा पाचन शक्ति भी कहते हैं।

दूसरा कार्य - शरीर शुद्धि - पाचन क्रिया से अवकाश मिलने पर जीवन-शक्ति शरीर शुद्धि का कार्य करना आरम्भ कर देती है। यह भोजन का पाचन करने के पश्चात् अनावश्यक फोक (मल) एवं शरीर के अन्दर ग्रहण की हुई अनावश्यक वस्तुओं को गुदा, मूत्रेन्द्रिय, नासिका, त्वचा तथा मुख द्वारा बाहर निकालती है।

उदाहरण - छोटा बच्चा कोयला खाता है और बड़ा बालक अकस्मात् पैसा निगल जाता है तो उनकी जीवन-शक्ति कोयले तथा पैसे को अनावश्यक तथा विजातीय वस्तु समझकर, गुदा द्वारा निकाल फेंकती है। बड़ा आदमी रेचक औषधि खाता है, जुलाबी दवाई मनुष्य के आहार का अंग नहीं होने के कारण जीवन-शक्ति उसे ढकेल कर बाहर करती है। इसी तरह उस दवाई के साथ अन्य कचरा भी निकल जाता है। अकस्मात् हाथ व पैर में कांटा (फाँस) लगता है, यदि हम उसे नहीं निकालते हैं तो जीवन-शक्ति उस स्थान को मुलायम करके पीव के साथ काँटे को बाहर निकाल देती है। कई प्रकार की अनावश्यक खाई हुई औषधियाँ भी जीवन-शक्ति की कृपा से मल, मूत्र, पसीने तथा कै (उल्टी) द्वारा बाहर निकल जाती है। जिन लोगों या बच्चों की जीवन-शक्ति तीव्र रहती है, उनमें टीकों तथा इन्जेक्शनों द्वारा डाली गई दवाई भीतर समा जाने के बजाय, फोड़ा-फुन्सी बनकर बाहर निकल जाती है।

तीसरा कार्य- शरीर की मरम्मत - शरीर की आवश्यक मरम्मत करना, स्वास्थ्य एवं सुन्दरता को बनाये रखना, जीवन-शक्ति का तीसरा कार्य है। उदाहरणार्थ, पुरुषों को दाढ़ी बनाते या बहिनों को सब्जी काटते समय जख्म हो जाता है तो थोड़ा रक्त निकलकर त्वचा पर जमा हो जाता है एवं दो चार दिन में जख्म ठीक हो जाता है और त्वचा पहले जैसी दिखाई देने लगती है। इस जख्म को किसी भी प्रकार की औषधि, मरहम या लोशन नहीं लगाया, इन्जेक्शन या मुख द्वारा कोई औषधि भी शरीर में नहीं भेजी गयी। इससे सिद्ध होता है कि हमारे अन्दर उपस्थित डॉक्टर जीवन-शक्ति ने, जख्म ठीक करने का कार्य बिना किसी औषधि के पूरा कर लिया।

अकस्मात दुर्घटनाओं में हड्डी टूट जाने पर हाड-वैद्य टूटी हड्डी को स्वभाविक स्थिति में रखकर लकड़ी की पट्टियों में बन्द करता है या अस्थि विशेषज्ञ उसे पैरिस प्लास्टर में जकड़ देता है। कुछ दिनों बाद खोलने पर टूटी हुई हड्डी, जुड़ी हुई मालूम पड़ती है। टूटी हुई हड्डी को जोड़ने के लिये किसी प्रकार की औषधि, गोंद, सीमेन्ट, चूना या मरहम अन्दर नहीं भेजी गयी फिर भी जीवन-शक्ति ने बिना औषधि हड्डी जोड़ने का कार्य पूरा किया।

हमारे जीवन की रचना हमारे मन द्वारा होती है। जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही हम हो जाते हैं।'हमारी सोच, हमारा चिंतन हमारे शरीर तथा हमारे क्रिया-कलापों पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि हमारे जीवन में डॉक्टरों का बहुत ज्यादा महत्व है। जन्म लेने से लेकर जीवन के अंत तक डॉक्टर हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे सर्दी-जुकाम से लेकर घातक बीमारियों व चोटों के उपचार में मदद करते हैं। वे बच्चों के टीकाकरण, स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा और बीमारियों से बचने के लिए जागरूकता फैलाने के लिए आवश्यक हैं। डॉक्टरों की समर्पित सेवा के बिना हम अपने जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। डॉक्टरों के सामने आने वाली चुनौतियां - अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, डॉक्टरों को अपने पेशे में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्राचीन भारत में आयुर्वेदाचार्य सुश्रुत को 'प्लास्टिक सर्जरी का जनक' माना जाता है।

स्त्री की मर्यादा के खिलाफ टिप्पणी

राकेश दुबे

कोलकाता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है।

यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे-बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं।

कोलकाता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

ज़ीरो फिगर

श्रीकांत आप्टे

वे सुबह छ÷ किलोमीटर पैदल चलते हैं। नाश्ता आजकल करते नहीं। दोपहर के खाने में दो चम्मच उबली सब्जी लेते हैं। शाम को पूरा एक घंटा योगा और एक घंटा जिम।रात का खाना एकदम हल्का खाते हैं यानी केवल हवा खाते हैं। दो माह हो गये इस रूटीन को अपनाए। वजन पांच किलो कम हो गया है। शर्माजी परिणाम से बहुत खुश भी हैं और उत्साहित भी। अभी पंद्रह किलो और कम करना है। कुल बीस किलो कम करने का टार्गेट है। अगले चार महिनों में टार्गेट पूरा हो जाएगा। ऐसा दृढ़ विश्वास है शर्माजी के मन में। मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक दिन।

एक्शन प्लान पर काम मुस्तैदी से चल रहा है। किसी किस्म की कमीबेशी न रहें इसके लिए वे सतर्क हैं। परफेक्शनिस्ट हैं वे।

दो माह से यह रुटीन चल रहा है। कमजोरी लग रही है। सिर चकराता है। चक्कर आने पर चक्कर रोकने की गोली खा लेते हैं। शर्माजी को पता है कि वजन कम करने और छरहरा दिखने की राह में ऐसी रुकावटें तो आएंगी। उन्होंने तय कर लिया है कि इन पर ध्यान नहीं देना है। एक बार चक्कर खाकर गिरे तो पत्नी डॉक्टर के पास ले गई। सारा हाल सुनकर डॉक्टर हंसने लगा। बोला, ÷ये नया नार्मल है। जो भी करेंगे अति में करेंगे। भूल गये हैं कि अति सर्वत्र वर्ज्यते। शर्माजी, नार्मल खाना, नार्मल व्यायाम काफी है फिट रहने के लिए।÷

घर लौटकर पत्नी ने कहा,÷ डॉक्टर ने जो कहा वो कुछ समझे या नहीं।÷

शर्माजी हंसकर बोले,÷ ये सब डॉक्टर पुराने जमाने के हैं। दुनियाभर में फिटनेस पर जो शोध हो रहा है उसकी इन्हें खबर ही नहीं है। फिटनेस की टेक्निकल जानकारियां तो इन डॉक्टरों से ज्यादा जिम के ट्रेनरों और डाइटीशियनों को है।फिट रहना क्या होता है इन डॉक्टरों को पता ही नहीं।÷

शर्माजी ने बता दिया कि उनकी नज़र में डॉक्टर की राय की कीमत दो कौड़ी की है।

पत्नी के पास जो एक अदद माथा था उसे पीटने के अलावा वह और क्या कर सकती थी।

शर्माजी के कंसल्टिंग डॉक्टर हैं, डॉक्टर गूगल। उन्हें कंसल्ट करने के लिए क्लिनिक भी नहीं जाना पडता। डॉक्टर गूगल का क्लिनिक शर्माजी के मोबाइल में ही है। छोटी हो या बड़ी, स्वास्थ्य की हर समस्या के लिए शर्माजी डॉक्टर गूगल को ही कंसल्ट करते हैं और उसी के अनुसार खुद का इलाज खुद ही कर लेते हैं।

खरबूजे को देख खरबूजा रंग बदलता है।

एक दिन श्रीमती शर्मा ने आईने के सामने खड़े होकर खुद को निहारा। बड़ी शर्म आई उन्हें। पेट थोड़ा लटका हुआ, कमर पर टायर, ब्लाउज बांहों पर कसा हुआ। छीऽऽ शरीर ऐसा बेडौल हो गया और उन्होंने ध्यान ही नहीं दिया। थुलथुल काया तो बीमारियों का घर।

श्रीमती शर्मा ने भी तय कर लिया कि वे भी वजन घटाएंगी। शादी के समय उनकी काया एकदम सींक सलाई सी थी। उनकी छरहरी काया पर ही तो लट्टू हुए थे शर्माजी। लटके पेट और कमर के टायर को वे गायब कर देंगी। कल से वे भी शर्माजी का रुटीन फॉलो करेंगी। बल्कि उससे भी कड़क रुटीन।

निराला की सड़क पर पत्थर कूटती औरत सा पेट। पेट, पीठ मिलकर दोनों एक, उस औरत जैसा पेट। %निराला% का उदाहरण तो मैंने अपनी और से दिया है। वरना निराला,पंत,महादेवी का नाम तो उन्हें ग्यारहवीं की परीक्षा में भी याद नहीं था।

श्रीमती शर्मा ने ठान लिया है कि कांपिटीशन में शर्माजी को पछाड़ना है। उनसे जल्दी और उनसे ज्यादा वजन घटाना है।

गूगल ज्ञान के लिए बात-बात पर शर्माजी का मजाक उड़ाने वाली श्रीमती शर्मा आजकल खुद भी श्री गूगलदेव की शरण में है। मोबाइल हाथ से और उंगली स्क्रीन से हटती नहीं। गुरुवर गूगलदेव के कारण उन्हें अब पता है कि कैलोरी किस बला का नाम है और जिंदा रहने के लिए न्यूनतम कितनी कैलोरी लेना चाहिए। उससे एक मिलीग्राम भी ज्यादा नहीं लेती। अमेरिका के एल.ए. में उनकी बहन रहती है।

शर्माजी और श्रीमती शर्मा अपवाद नहीं हैं। इनके जैसे बहुत से हैं। इन्हीं के लिए % फिट वेल%, %स्लिम फिट% , % परफेक्ट फिगर% जैसी कई दुकानें गली-गली, मोहल्ले-मोहल्ले खुल गई हैं और नई,नई खुलती ही जा रही हैं। कम से कम समय में ज्यादा से ज्यादा वजन कम करने के झूठे वादे। हजारों रुपयों कीमत वाली मशीनों से सज्जित जिम, जिनमें लगती है हजारों की फीस। %मार्निंग वाक% डाउन मार्केट चीज है। ट्रेडमिल पर चलने की बात ही कुछ और है। जिम स्टेटस की चीज है। एक हाथ में पानी की बोतल और कंधे पर जिम का बैग टांगे जिम के सामने कार से उतरते हुए गहरा एहसास रहता है कि हम भी जमाने के साथ चल रहे हैं।

श्रीमती शर्मा रोज जिम से लौटकर पहला काम करती हैं ,कमर का नाप लेती हैं। शर्माजी खुश हैं कि कमर पर बेल्ट ने पांचवे छेद से तीसरे छेद तक का सफर तय कर लिया है। जिम का ट्रेनर कहता है, ÷ और वर्कआउट करने की जरूरत है। खाने में कैलोरी और कम करना होगी। कमाल का है यह देश। मुट्ठीभर लोग खाने में कैलोरी कम करने के लिए परेशान हैं और करोड़ों को खाने में कैलोरी मिलती नहीं। कुछ फूलकर लटक गये गालों को पिचकाने में लगे हैं करोड़ों वे हैं जिनके गालों पर मांस कभी चढ़ा ही नहीं। खाये,पीये,अघाए लोग अन्न को लतिया रहे हैं बाकी उसी अन्न की खातिर लात खाकर रहे हैं। सचमुच अजूबों भरा है मेरा देश।

नेशनल डाक्टर्स डे

विद्वानों को क्यों कहना पड़ा कि- वैद्यराज नमः तुभ्यं यमराज सहोदरः

जयराम शुक्ल

दो मसले मुझे हमेशा बहुत परेशान करते हैं। एक डॉक्टरों की पर्ची और दूसरी बड़ी अदालतों के फैसलों की इबारत। मैं अंग्रेजी माध्यम से विज्ञान का स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधिधारी हूं जब मैं असहज और परेशान हो जाता हूं तो उन लोगों की क्या कहिए जिन्हें पढ़ाई के समय एबीसीडी सुनते ही बुखार आ जाता था। कुछेक अपवादों को छोड़ दें तो डॉक्टर लोग अपनी पर्ची में न जाने किस कूटलिपि से अंग्रेजी में दवाइयों के नाम लिखते हैं इस रहस्य को सिर्फ वो मेडिकल की दुकानवाला जानता है जिसके यहां से दवाई खरीदने की सिफारिश की जाती है। एक बार मैंने अपनी सहूलियत के हिसाब से मेडिकल स्टोर बदल दिया। दुकानदार ईमानदार निकला। औने-पौने कोई दवा थमाने की बजाय बता दिया कि ये फलाँ डाक्टर की पर्ची है इसमें लिखी दवाएं ढिकां मेडिकल स्टोर में मिलेंगी। वैसे ये दुकानवाला मुझे कोई भी दवा थमा सकता था, पर्ची में यही लिखी हैं बता कर। मैं उसका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि मैं मेडिकली निरक्षर हूं।

फलां डॉक्टर, ढिकां मेडिकल स्टोर या लैब में ही क्यों भेजता है ये रहस्य अब रहस्य नहीं रहा। दो साल पहले इंदौर में ड्रग ट्रायल काण्ड के बाद यह अच्छे से उजागर हो गया। दवाइयां बनाने वाली कंपनियां ये सब प्रपंच रचती हैं। आम भारतीय मरीज अपने जीते जी जान ही नहीं पाता कि उसका ड्रग ट्रायल चल रहा होता है कि इलाज। बहरहाल मैं डॉक्टर्स की उस गूढ़ मेडिकल पर्ची के बारे में बात कर रहा था। मरीज और उसका अटेंडेंट दोनों का दिमाग चकरघिन्नी की तरह घूमने लगता है क्योंकि उसके दिमाग में पैथोलॉजी की सत्रह जाँच और दस दवाइयों का लेखा सामने आ रहता है। वह बटुए टटोलने लगता है कि रुपया पुज जाएगा कि नहीं। यकीन मानिए डाक्टर तक पहुंचकर, फीस अदाकर पर्ची बनवाने वालों में से एक तिहाई मरीज धनाभाव में बिना जाँच कराए व दवा खरीदे लौट जाते हैं। उनमें से कुछ कर्ज लेकर दूसरे तीसरे दिन लौटते हैं।

प्रायः हर गांव या मोहल्ले में ऐसे कई केस मिल जाएंगे जिसमें गलत दवा खाने या लगाने से कोई मर गया या स्थाई विकलांग हो गया। इतने ही केस ऐसे भी होते हैं कि मर्ज कुछ और था लेकिन डॉक्टर ने दवाई किसी दूसरे मर्ज की कर दी। ऐसे मामलों में मरने वालों की संख्या सामान्य बीमारियों से मरने वालों की संख्या से कम नहीं होती। पर न तो इनकी कोई सांख्यिकी बनती और न ही कोई प्रकरण दर्ज होता। अपने देश की चिकित्सा व्यवस्था इसी अराजक दौर

की शिकार है।

आजकल तो चिकित्सक अपनी दवा पर्ची में मोटे हर्फों में यह लिखवाने लगे हैं कि..यह पर्ची किसी भी कानूनी कार्रवाई के लिए मान्य नहीं..। कमाल देखिए कि यह साफ सुथरी हिन्दी में लिखा होता है ताकि साक्षर मरीज इसे अच्छे से पढ़ ले कि डॉक्टर साहबान की दवा खाने से यदि तुम्हारी आँख भी फूट गई तो कोई कार्रवाई नहीं कर सकते क्योंकि पर्चे में पहले से ही लिखा।

अंग्रेजी की ताकत और उसका ग्लैमर तभी तक है जब तक कि सामने वाला उसे समझ न पाए। जिस दिन ये अँग्रेजी आम लोगों को समझ में आने लगेगी उसी दिन से इसका तिलस्म खत्म। और इसके साथ ही उन बड़े वकीलों और डॉक्टरों का धंधा भी, जिनकी दुकानें सिर्फ और सिर्फ अँग्रेजी के नाम से सजी हैं। क्या मेडिकल कौंसिल आफ इंडिया को इन स्थितियों से इत्तेफाक नहीं है.? है, पिछले कुछ सालों से दवाओं के नाम हिंदी में भी लिखे जाने लगे हैं। हो सकता है कि देश की अन्य भाषाओं के लिए भी निर्देश हो। जैसे कि केरल में बिकने वाली दवा में अँग्रेजी के साथ मलयाली में भी लिखा जाता हो।

दवाओं के कम्पोजीशन और साइडइफेक्ट्स की नसीहतें छह से चार प्वाइंट्स के अक्षर में लिखी जाती हैं। अब इसे पढ़कर आँखें फोड़िए और नया मर्ज पालिए। जहाँ तक मुझे जानकारी है मेडिकल कौंसिल ने डाक्टरों को यह भी निर्देश दे रखे हैं कि वे दवाओं का नाम साफ-साफ अक्षरों में लिखें व उसके प्रयोग को भी विधिवत उल्लेखित करें। दवाओं के कम्पोजीशन का भी जिक्र करें क्योंकि एक ही दवा को विभिन्न कंपनियां अपने अपने ब्रैंडनेम से बेंचती हैं। दवा की कीमतों में भी बड़ा फर्जीवाड़ा है। हर शहर में दवाओं के अलग-अलग दाम हैं। कहीं- कहीं तो दवा के दामों में सत्तर प्रतिशत तक का अंतर है। कहीं कोई देखने वाला नहीं। कोई चेक एन्ड बैलेंस नहीं। सेवा क्षेत्र के सबसे संवेदनशील मामले में सबसे ज्यादा बेरहमी।

?और अंत में

डॉक्टर शपथ का दसांश भी अमल करें तो विश्व का कल्याण हो जाए। हर डॉक्टर की दवा की पर्ची में ऊपर ℞ जैसा कुछ लिखा रहता है। यह डॉक्टरों को अपने पेशे के लिए ली गई हिप्पोक्रेटिक शपथ की याद दिलाता रहता है। हिप्पोक्रेट ग्रीक के महान दार्शनिक हैं जिन्हें आधुनिक चिकित्सा का प्रवर्तक माना जाता है। डॉक्टर इस शपथ का दसांश भी अमल करने लगें तो समूचे विश्व का कल्याण हो जाए। सरकारों को अलग से कोई कानून बनाने की कभी जरूरत ही नहीं पड़ेगी इस शपथ का तथ्य-कथ्य आपको गूगल गुरू बता देंगे, इस लेख को पढ़ने के बाद हिप्पोक्रेटिक ओथ को सर्च कर पढ़िएगा जरूर।

हमारी सनातनी सांस्कृतिक परपंरा में सृष्टि के आदि वैद्य (डॉक्टर) धनवंतरि को भगवान विष्णुजी का स्वरूप बताया गया है..इसलिए युगों से डाक्टर के प्रति ईश्वरीय आस्था रही है-

? नमो भगवते महासुदर्शनाय वासुदेवाय धन्वंतरये
अमृतकलशहस्ताय सर्वभयविनाशाय सर्वरोगनिवारणाय
त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्रीमहाविष्णुस्वरूपाय
श्रीधन्वंतरीस्वरूपाय श्रीश्रीश्री औषधचक्राय नारायणाय नमः॥

लेकिन जब डॉक्टर-वैद्य उपरोक्त मानदंडों पर खरे नहीं उतरे तब मनीषियों को कहना पड़ा कि-

वैद्यराज नमस्तुभ्यं यमराजसहोदर।
यमस्तु हरति प्राणान् वैद्यो प्राणान् धनानि च॥

(हे वैद्यराज, यम के भाई, मैं आपको प्रणाम करता हूं यम तो सिर्फ प्राण हरते हैं पर आप धन और प्राण दोनों हर लेते हो !!)

1डिस्क्लेमर- सैकड़ों में कई एक डाक्टर ऐसे भी हैं जो मनुष्य की संवेदनाओं को समझते हैं और कर्तव्य को अपने पेशे से सदैव ऊपर रखते हैं।

1 जुलाई 1936: क्राँतिकारी वनलता दासगुप्त का बलिदान

जेल में अमानुषिक यातनाएँ

रमेश शर्मा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में असंख्य ऐसे बलिदानी हैं जिनका कोई विवरण नहीं मिलता । सैकड़ों बलिदानी ऐसे हैं जिनका केवल जेल रिकार्ड में नामभर मिलता है । जबकि हजारों बलिदानियों का विवरण तो कहीं मिलता जिन्हें गाँवों मे लाइन में खड़ा करके गोलियों से भूना था ।

क्राँतिकारी वनलता दासगुप्त ऐसी ही एक बलिदानी हैं जिनका नाम जेल रिकार्ड में तो है पर जीवन के विवरण का उल्लेख कहीं नहीं। जेल लिखी आयु के अनुसार उनका जन्म वर्ष 1915 ऑका गया है । वे बंगाल के विक्रमपुर में जन्मी थीं। यह क्षेत्र अब बांग्लादेश में है । वनलता को बचपन से ही बहुत कुशाग्र और स्वाभिमानी थीं। वे पढ़ाई के साथ खेलकूद, व्यायाम करती थीं। गाँव वालों से अंग्रेजों की पुलिस का व्यवहार ने उन्हें अंग्रेजों के विरुद्ध बना दिया था । 1933 में वे पढ़ने केलिये ढाका आई, कॉलेज में प्रवेश लिया और हॉस्टल में रहने लगीं। यहां वे क्रांतिकारियों के संपर्क में आई और उनकी गतिविधियों में भाग लेने लगीं। उन्होने रिवॉल्वर चलाना सीखा । क्राँतिकारियों ने उन्हें हथियार और संदेश यहाँ से वहाँ पहुँचाने का काम सौंपा । वे हथियार लेकर पहले अपने हॉस्टल में रखतीं थीं फिर सुविधा अनुसार पहुँचा देतीं थीं। पुलिस को खबर लगी । उन्होंने एक रिवॉल्वर अपनी दोस्त ज्योतिकाना दत्त के कमरे में छिपा रखी थी। हॉस्टल में छापा पड़ा । वनलता के कमरे में क्राँतिकारी साहित्य और ज्योतिकाना के कमरे में रिवॉल्वर मिली । ज्योतिकाना पुलिस प्रताड़ना न सह सकी । उसने वनलता का नाम बता दिया। वनलता भी गिरफ्तार हुई । ज्योतिकाना को चार साल और वनलता के तीन साल की कैद की सजा सुनाई। दोनों की खड़गपुर की हिजली जेल में रखा गया । वनलता से साथी क्राँतिकारियों के नाम जानने के लिये क्रूरतम यातनाएँ दीं गई। लेकिन उन्होंने सब सहा । किसी क्रांतिकारी का नाम न बताया । जेल की यातनाओं से उनका स्वास्थ्य बुरी तरह बिगड़ गया । वे मरणासन्न हो गई। इस कारण उन्हे नजरबंदी के साथ रिहा कर दिया गया । पुलिस की इतनी दहशत थी कि ढंग से इलाज मिल न पाया । वे लगभग तीन माह मरणासन्न अवस्था में बिस्तर पर रहीं और 1 जुलाई 1936 को उनका बलिदान हो गया । तब उनकी आयु मात्र 21 वर्ष की थी ।

उनके बलिदान को शत-शत नम

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

तेंदूखेड़ा पुलिस की बड़ी कार्यवाही 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

दमोह जिले के तेंदूखेड़ा की घटना दिनाँक 28.06.2025 को प्रार्थी जगदीश चक्रवर्ती पिता रामप्रसाद चक्रवर्ती उम्र 32 साल निवासी वार्ड नंबर 08 विद्यानगर तेंदूखेडा ने अपने घर के अंदर रखें चांदी के जेवरात, छोटी बडी पायलें, संतान साते की चूडी, किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले जाने के संबंध में रिपोर्ट लेख कराई रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 262/25 धारा 331(4), 305 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

2. दिनांक 29.06.2025 को प्रार्थिया नेहा पति हरगोविन्द साहू उम्र 25 साल निवासी तारादेही रोड तेंदूखेडा ने अपने घर के अंदर रखे चांदी के जेवरात दो जोडी कंगन, एक चांदी की चेन, एक जोडी चांदी की राईबोरा पायल, दो जोडी चांदी के बच्चों के कंगन, दो चांदी के करडोरा तीन चांदी की संतानसाते की चूडियां, एक चांदी को डोरी व एक सायकिल किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले जाने के संबंध में रिपोर्ट लेख कराई रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 264/25 धारा 331(4).305 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मोहन यादव का सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)- पशु चिकित्सालय औबेदुल्लागंज में कार्यरत पशुपरिचालक के पद पर रहते हुए मोहन यादव का सेवा निर्मित विदाई समारोह का आयोजन 30 जून 2025 को पशु चिकित्सालय में किया गया जिसमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार, समाजसेवी सहित अनेकों लोगों ने यादव को उज्जवल भविष्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी ।यादव ने पशु चिकित्सालय में 34 वर्ष तक अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी लगन से सेवा देते हुए पशुओं की सेवा में आपकी विशेषज्ञता और संवेदनशीलता ने अनगिनत जीवो को नया जीवन दिया अपने विभाग से विदा लेते समय भावुक को गए ।

जिला अध्यक्ष का प्रथम आगमन एवं स्वागत खरगोन नगर में

दैनिक सांध्य प्रकाश संवाददाता खरगोन द्य संत श्री सिंगाजी गवली समाज संगठन खरगोन जिला अध्यक्ष हरिराम जी का खरगोन नगर में प्रथम आगमन खरगोन, में स्वजातीय बंधुओं एवं युवा साथियों ने जोरदार स्वागत किया एवं खरगोन गोगांवा तहसील अध्यक्ष की नियुक्ति सर्वसहमति से अभिषेक जी यादव नागझिरी के रुप में की गई एवं खरगोन नगर अध्यक्ष के रूप में अखिलेश जी यादव मोतीपुरा की नियुक्ति की गई बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय कवि शंभू मनोहर, प्रदेश महामंत्री रमेश जी यादव इन्दोर ,जिला मार्गदर्शक भागीरथ जी पटेल,जिला उपाध्यक्ष मनोहर यादव, जिला सचिव महेंद्र जी यादव,जिला महामंत्री चेतन पटेल , जिला प्रवक्ता दिपक यादव गुवाड़ी , वरिष्ठ कैलाश यादव सर, युवा साथी अक्षय यादव,देव कृष्ण यादव एवं समस्त स्वजातीय बंधु जिला अध्यक्ष एवं पुरे जिले गवली समाज की ओर से खरगोन गोगावां तहसील की ओर से जिला अध्यक्ष एवं स्वजातीय बंधुओं का स्वागत किया उसके लिए आभार धन्यवाद

शरद दादा को पुण्यतिथि पर किया याद

माखन नगर। भारत सरकार केपूर्व केंद्रीय मंत्रीस्वर्गीय श्री शरद यादव दादा की पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव आंख मऊ स्थित शरद स्तूप पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके परिवारजन राजेंद्र यादव कनेडी बाबा पूर्व जनपद अध्यक्ष माखन नगर अरविंद यादव नवीन यादव शैलेश यादव एवं मुकेश यादव ने उन्हें याद किया

महाकाल लोक की तरह विकसित होगा ओंकारेश्वर का एकात्म धाम

सीएम ने खंडवा में 563.72 करोड़ लागत की जावर माईक्रो उद्वहन सिंचाई योजना का किया लोकार्पण

खण्डवा॰। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने आज खंडवा में एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि महाकाल लोक की तरह ओंकारेश्वर का एकात्म धाम विकसित किया जाएगा। ष्टरूने खंडवा में 563.72 करोड़ लागत की जावर माईक्रो उद्वहन सिंचाई योजना का किया लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1568 करोड़ के विकास कार्यों का शुभारम्भ भी किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश और मार्गदर्शन में प्रदेश में गुड़ी पडवा से आरंभ जल गंगा संवर्धन अभियान का खण्डवा में आयोजित समापन समारोह एवं वॉटरशेड सम्मेलन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य मसंपन्नन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 1568 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 578 करोड़ की लागत से 57,207 कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटरशेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खंडवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं तीन अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में प्रदेश में जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का वाचन प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खण्डवा जिले को दी सौगातें

खण्डवा के मण्डी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम नहाल्दा से भण्डारिया से कृषि महाविद्यालय के बीज केन्द्र तक 18.24 करोड़ रूपये लागत से निर्मित होने वाली 4.80 कि.मी. लम्बी रिंग रोड़ निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा उन्होने ग्राम टिठियाजोशी से सिरपुर मार्ग व्हाया लोहारी-बड़गागुर्जर मार्ग पर 96 करोड़ रूपये लागत से निर्मित होने वाले 12 कि.मी. लम्बे बायपास मार्ग निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 153.12 करोड रूपये लागत से निर्मित होने वाले 7 मीटर चौड़े व 32 कि.मी. लम्बे खण्डवा मून्दी मार्ग निर्माण की भी घोषणा की।

इन विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खण्डवा में आयोजित कार्यक्रम में 1568 करोड़ रुपये से अधिक के जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होने जल संसाधन विभाग की 4 सिंचाई परियोजनाओं क्रमशः भाम राजगढ़ मध्यम सिंचाई परियोजना, बिहार सारोला बैराज, लाजैरा बैराज, हापला दीपला बैराज लघु सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं की लागत करीब 312.77 करोड़ रुपये है, जिससे 8557 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। इससे 21 ग्रामों के 7260 किसान लाभांवित होंगे। नर्मदा घाटी विकास विभाग की जावर माईक्रो उद्वहन सिंचाई योजना प्रशासकीय स्वीकृति रुपए 563.72 करोड़ का लोकार्पण भी किया गया। योजना से खण्डवा जिले के 52 ग्रामों के 21,666 किसानों की करीब 26 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में अमृत 2.0 योजना अंतर्गत 50 करोड़ की लागत से जीर्णोद्धार की गई 74 जल संग्रहण संरचनाओं का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 578.08 करोड़ रुपये की लागत से कराए गए 57 हजार 207 जल संरक्षण कार्य, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वॉटरशेड विकास के अंतर्गत 63.46 करोड़ रुपये की लागत से 888 जल संरक्षण के कार्य, वॉटरशेड परियोजनाओं के कार्यों के प्रबंधन और अनुश्रवण के लिए वॉटरशेड वर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पानी की बूंद-बूंद बचाने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया। इसके अंतर्गत गुड़ी पड़वा 30 मार्च से 30 जून तक सभी जिलों में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए नवाचार किए गए। अभियान में मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण एवं जल संरचाओं का जीर्णोद्धार किया गया। जल स्त्रोतों के संरक्षण में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सहयोग मिला, वे जल संवर्धन के संवाहक बने हैं। कुल 38 हजार नए खेत तालाब बनाए गए हैं। अकेले खंडवा जिले में 254 करोड़ की लागत से 1 लाख से अधिक कुंए रिचार्ज किए गए। इसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान मिला है।

कार्यक्रम में ये जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय समापन कार्यक्रम व वाटर शेड सम्मेलन में प्रदेश संस्कृति, पर्यटन, धामिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं खण्डवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी भी मौजूद थे। इसके अलावा कार्यक्रम में विधायक खण्डवा श्रीमती कंचन मुकेश तनवे, विधायक मान्धाता श्री नारायण पटेल, विधायक पंधाना श्रीमती छाया मोरे, विधायक बुरहानपुर श्रीमती अर्चना चिटनीस, महापौर खण्डवा श्रीमती अमृता अमर यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत खण्डवा श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष बुरहानपुर श्री गंगाराम मार्को, उपाध्यक्ष जिला पंचायत खण्डवा श्री दिव्यादित्य शाह, भाजपा जिलाध्यक्ष खण्डवा श्री राजपाल सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारीगण उपस्थित थे।

जल संग्रहण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिये जनप्रतिनिधि हुए सम्मानित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संग्रहण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इसके तहत 10 लाख से अधिक आबादी वाले निकायों में नगर निगम भोपाल की महापौर महापौर इन्दौर महापौर जबलपुर को सम्मानित किया गया जबकि 1 से 10 लाख की आबादी वाले निकायों में महापौर उज्जैन नगर निगम खण्डवा की महापौर महापौर छिंदवाड़ा नगर पालिका भिण्ड की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा अमित वाल्मिकी को सम्मानित किया गया। इसके अलावा 1 लाख से कम आबादी वाले नगरीय निकायों में टिकमगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष नगर परिषद मण्डलेश्वर के अध्यक्ष तथा नगर परिषद बिजूरी की अध्यक्ष को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में टीकमगढ़ कलेक्टर को भी मंत्री डॉ. यादव ने सम्मानित किया।

प्रदेश में वर्षा जल के संचयन के लिए 90 दिन में 84 हजार 930 खेत-तालाब बनाए गए हैं। प्रदेश में 77 हजार 940 खेत तालाब बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया। इसमें लक्ष्य से करीब 7 हजार अधिक खेत तालाब बनाए जा रहे हैं। इसमें से कई खेत-तालाबों का निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है। इसी तरह से प्रदेश के सभी जिलों में 1 हजार 283 अमृत सरोवर भी बनाए जा रहे हैं।

वैश्य महासम्मेलन की जिला कामकाजी बैठक संपन्न

सांध्य प्रकाश॰इटारसी, वैश्य महासम्मेलन मप्र नर्मदापुरम की जिला कामकाजी बैठक मंगलवारा धर्मशाला ग्रेनमर्चेंट एसोसिएशन कांफ्रेंस हाल पिपरिया में संपन्न हुई। इस अवसर पर जिले की 10 तहसील व कस्बों के पदाधिकारी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जबलपुर संभाग के अध्यक्ष संजय साहू,प्रदेश उपाध्यक्ष भगवानदास अग्रवाल,संभागीय अध्यक्ष अजीत सेठी,अभा माहेश्वरी महिला संगठन की सहसचिव अनिता जावंधिया,प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव एवं वैश्य महासम्मेलन की जिला प्रभारी राजश्री राठी,संभागीय अध्यक्ष नीरजा फौजदार,जिलाध्यक्ष संजय शिल्पी,जिला राजनीतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी दीपक अग्रवाल, युवा संगठन के जिलाध्यक्ष श्रीधर अग्रवाल,बालकिशन टावरी, अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान सर्वप्रथम माँ लक्ष्मी,माँ सरस्वती,माँ दुर्गा की पूजन अर्चन कर दीप प्रज्जवलन किया गया। स्वागत नृत्य अनुश्री विनोद सोनी द्वारा व स्वागत गीत ऋतु जैन ने प्रस्तुत किया। बैठक के

दौरान अतिथियों द्वारा पूरे भारत वर्ष में वैश्य समाज के 373 घटक हैं यह बताते हुए कहा कि मप्र में वैश्य महासम्मेलन के 54 घटक हैं। 15 दिवस में प्रत्येक तहसील में पहुंचकर बैठक लेने पर चर्चा की। वर्तमान में प्रदेश में 60 हजार सदस्य है। सदस्यता अभियान जुलाई माह में चलाने को लेकर विचार विमर्श हुआ। नर्मदापुरम जिले मे वर्तमान में 1100 सदस्य है जो 2 हजार सदस्य करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि जातिगत जनगणना वैश्य समाज के लिये वरदान है।

भोपाल लोकायुक्त की ट्रैप कार्यवाही में रिश्वत लेते पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार

भोपाल। पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के मार्गदर्शन में आज लोकायुक्त पुलिस भोपाल की टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए पटवारी उज्जवल उपाध्याय को ?9000 की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया।

शिकायत प्रदीप माली, निवासी तहसील हुजूर, जिला भोपाल द्वारा की गई थी, जिसमें बताया गया था कि ग्राम गोलखेड़ी में उसकी पैतृक ज़मीन के फोती नामांतरण के एवज में पटवारी उज्जवल उपाध्याय रिश्वत की माँग कर रहा है। शिकायत के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त भोपाल दुर्गेश राठौर ने ट्रैप टीम गठित की, जिसमें टीम प्रभारी दिलीप झरवड़े, उप पुलिस अधीक्षक मंजू सिंह पटेल सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

टीम ने आज गोलखेड़ी स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास ट्रैप ऑपरेशन चलाया और आरोपी पटवारी को ?9000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। कार्रवाई जारी है।

पुलिस विभाग में सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

पुलिस अधीक्षक दमोह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में विदाई समारोह संपन्न

दमोह। सोमवार दि. 30-06-2025 को शाम 04ः00 बजे नए पुलिस नियंत्रण कक्ष दमोह में 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर (1) मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक विजय अहिरवार (उप पुलिस अधीक्षक हेड क्वाटर) (2) कार्यवाहक प्र.आर. 654 नारायण जाट , (3) कार्यवाहक प्र.आर. 408 हीरालाल सेन (4) कार्यवाहक प्र.आर. 237 उत्तम लाल पटैल , (5) कार्यवाहक प्र.आर. 398 भागीरथ अहिरवार, (6) आर. 263 किशोरी लाल गौड को पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया,प्रभारी रक्षित निरीक्षक अभिनय साहू ,निरीक्षक अमित गौतम एवं अन्य स्टाफ की उपस्थिति में सुखद स्वस्थ एवं दीर्घायु की कामना करते हुये स्मृति चिन्ह के साथ साथ अवकाश नगदीकरण, बीमा, पैंशन, ग्रेज्युटी, के दस्तावेज भेंट करते हुये भावभीनी विदाई दी गयी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने कहा कि आप सभी की 38 से 42 साल तक विभाग में सेवा अवधि शानदार, यादगार एवं बेदाग रही। आप सभी ने निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ बखूबी अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, एवं पुलिस विभाग को सराहनीय योगदान दिया तथा हमेशा विभाग के लिए समर्पित रहे। आप सभी को लम्बे और सफल कार्यकाल के लिये बधाई। जिस प्रकार आप सभी की उज्जवल छवि रही है एवं अपने आपको स्वस्थ बनाए रखा है, इसी प्रकार सेवा निवृत्त होने के बाद भी परिवार के साथ सुखमय एवं स्वस्थ जीवन व्यतीत करें।अपने स्वास्थ का हमेशा ख्याल रखें।यदि आपको किसी भी प्रकार की कोई समस्या आती है तो आप कभी भी किसी भी समय मुझे अपनी समस्या बता सकते है, आपकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाएगा।

रानी कमलापति संस्कृति संरक्षण एवं संवर्धन में नागरिकों की भूमिका एक दिवसीय बैठक संपन्न हुई

गंज बासौदा सांध्य प्रकाश। स्थानीय शुभ लाभ गार्डन रानी कमलापति न्यास द्वारा चार सत्र में बैठक हुई जिसमें प्रथम सत्र में भोपाल से आए समाज सेवी संतोष मीणा द्वारा पंच परिवर्तन एवं समाज परिवर्तन विषय रखा गया द्वितीय सत्र में समाज सेवी डॉ. मनीष उपाध्याय द्वारा विषय नागरिक सुरक्षा एवं नागरिक कर्तव्य पर एवं रोजगार उन्नमुखी एवं शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण पर जोर दिया गय तृतीय सत्र में समाजसेवी बालेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा रोजगार उन्नमुखी एवं शिक्षा एवं कौशल प्रशिक्षण विषय पर बताया गया मध्यप्रदेश बाल आयोग की सदस्य बाल अधिकार संरक्षण अधिकार आयोग की सदस्य डॉ श्रीमती निवेदिता शर्मा द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर प्रकाश डाला गया साथ ही मुरैना से अधिवक्ता राजीव दंडोतिया द्वारा पर्यावरण से संबंधित कानूनों पर जानकारी दी गई समापन सत्र में समाज सेवी रविकांत भदौरिया द्वारा आपदा प्रबंधन विषय पर जनजागरण संबंधी विषय रखा गया एवं समापन उद्बोधन देवेंद्र रेड्डी द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने संस्कृति एवं राष्ट्र के उत्थान में कानूनों से ज्यादा आम नागरिक की भूमिका पर जोर दिया संभाग ग्वालियर , चम्बल , भोपाल , नर्मदापुर से आए 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में नगर के सहयोगी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव, सरिता जैन, सरिता रघुवंशी, वरिष्ठ समाज सेवी कांति भाई शाह,रामसेवक विश्वकर्मा, मुकेश सिंह, अमान सिंह , प्रमोद सिंह, प्रवीण प्रताप सिंह, राकेश विश्वकर्मा, नितीश श्रीवास्तव, उदयभान तोमर, नवनीत तोमर, सुनील यादव, अमन शर्मा, रामेश्वर तिवारी, धनराज सोनी, रणजीत सिंह, किन्नर मुन्ना मामा, विपिन जैन, युग तिवारी आदि उपस्थित रहे।

ज्वेलरी और दस्तावेज की शिनाख्त के लिए राजा के बड़े भाई को बुलाया!

इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड की जांच जारी है और उसके साथ नए-नए खुलासे भी हो रहे हैं। इस बीच शिलांग से आई एसआईटी टीम ने रतलाम से राजा और सोनम रघुवंशी की गोल्ड ज्वेलरी जब्त कर ली। इसकी शिनाख्त के लिए राजा के भाई विपिन को रविवार देर रात क्राइम ब्रांच थाने बुलाया गया। पुलिस ने ज्वेलरी दिखाकर एक घंटे तक बातचीत की। बताया गया कि सोमवार को भी शिलांग पुलिस ने विपिन से पूछताछ की।

प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स ने रतलाम में अपने ससुराल में ज्वेलरी छुपाई थी। पुलिस ने सोने की चैन, अंगूठी, मंगलसूत्र, पायजेब और बिछिया बरामद की। ज्वेलरी के साथ लैपटॉप और डॉक्यूमेंट भी जब्त किए गए। शिलांग ईस्ट खासी हिल्स एसपी विवेक ने भी इसकी पुष्टि की है। दरअसल, एसआईटी को सूचना मिली थी कि आरोपियों ने रतलाम में आभूषण बेचे थे।

इसकी तलाश में शिलांग पुलिस इंदौर से शिलोम जेम्स के साथ उसकी पत्नी और साली को लेकर उसके ससुराल मनोज गुप्ता के घर पहुंची। शिलोम की पत्नी के घर से छानबीन के दौरान एक बैग जब्त किया गया, जो किचन में छुपाकर रखा गया था। बैग को जब्त कर इसमें रखे सामान का पंचनामा बनाया गया। इसके बाद रतलाम से आरोपी शिलोम जेम्स को लेकर इंदौर के लिए रवाना आए।

सबूत मिटाने का आरोप

बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में पुलिस ने शनिवार (21 जून) को प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स को हिरासत में लिया था। इसके बाद रविवार (22 जून) को शिलांग पुलिस अशोक नगर के शाडोरा थाना क्षेत्र के मदागन गांव से बल्ला उर्फ बलवीर (गार्ड) को गिरफ्तार किया। शिलोम और गार्ड बलवीर पर सबूत मिटाने का आरोप है। लोकेंद्र के कहने पर ही शिलोम जेम्स ने काला बैग जलाया था। जिसमें देशी पिस्टल, पांच लाख रुपए, राजा की चेन, मोबाइल, सोनम के कपड़े और आभूषण रखे गए थे। एसआईटी टीम ने 3 से 10 जून तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें शिलोम अपनी कार में बैग लेकर जाते हुए दिखाई दिया था।

राजा रघुवंशी की लाश शिलांग में मिली

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी (30) और सोनम रघुवंशी (25) की 11 मई को इंदौर में शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों हनीमून के लिए शिलांग पहुंचे। 22 मई को शिलांग के मावलखियाट गांव स्थित शिपारा होम स्टे में रुके। 23 मई को सोनम ने 3 साथियों के साथ मिलकर राजा की हत्या कर दी और शव को गहरी खाई में फेंक कर लापता हो गई। 2 जून को राजा का शव सोहरा के वेई सावडोंग झरने के पास एक गहरी खाई से बरामद हुआ।

अभी तक 8 आरोपी गिरफ्तार

सोनम ने आपने आशिक राज कुशवाह (21) के साथ राजा की हत्या का प्लान बनाया था। राज ने भी अपने तीन दोस्तों आनंद सिंह कुर्मी (23), आकाश राजपूत (19) और विशाल सिंह चौहान (22) को राजा की हत्या के लिए भेज दिया था। इस हत्याकांड मामले में अब तक कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिसमें मर्डर केस की मास्टरमाइंड राजा की पत्नी सोनम और उसका प्रेमी राज कुशवाह, आनंद सिंह कुर्मी, आकाश राजपूत और विशाल सिंह चौहान हैं। इसके अलावा इंदौर का प्रॉपर्टी डीलर शिलोम जेम्स, चौकीदार बलबीर सिंह और लोकेंद्र सिंह तोमर को भी गिरफ्तार किया है।

विदेश नहीं जाएंगे तो दक्षिणा नहीं मिलेगी' बाबा बागेश्वर बोले- जाना जरूरी है भैया लोग

इटावा में यादव कथावाचकों के साथ हुई बर्बरता के बाद पूरे राज्य में सियासत गरमा गई है. समाजवादी पार्टी के नेता लगातार राज्य सरकार पर जातिवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगा रहे हैं. वहीं सपा सुप्रीमो ने बाबा बागेश्वर पर मोटी फीस लेने का आरोप लगाया है. इस पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सीधा जवाब न देकर इशारों-इशारों में जवाब दिया है. बाबा बागेश्वर ने कहा कि ऊंचाइयों पर जाने के लिए उन्हें अपने जीवन में कितनी कठिनाइयों का सामना किया है यह लोग नहीं देखते हैं. उन्होंने कहा कि वह सिर्फ दूसरों को हनुमान जी की भक्ति दे सकते हैं. इस दौरान उन्होंने एक और बात पूरी तरह से स्पष्ट की कि वह जातिवाद को खत्म करना चाहते हैं.

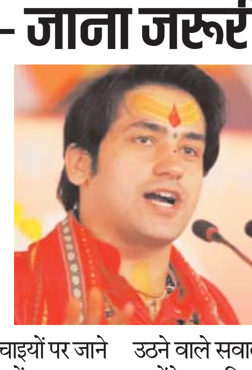

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हाल ही में अपने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोग उन्हें बागेश्वर बाबा के नाम से जानते हैं, लेकिन इस नाम के पीछे उन्होंने कितनी तकलीफें सही हैं, यह किसी को नजर नहीं आता. उन्होंने कहा कि ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है. लोग आज सिर्फ मेरा नाम सुनते हैं, लेकिन यह कोई नहीं जानता कि मैंने कितनी रातें भूखे पेट काटीं, कितनी बार बिना सोए समय गुजारा. ये तकलीफें लोगों को दिखाई नहीं देतीं.

धीरेंद्र शास्त्री ने यह भी साफ किया कि उनका उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ भक्ति और सेवा है. उन्होंने कहा कि हम चमत्कार या प्रपंच नहीं करते. हमारा प्रयास है कि लोगों को संकटमोचन हनुमान जी की भक्ति से जोड़ा जाए. हम चाहते हैं कि लोग किसी चमत्कार के भरोसे नहीं, बल्कि सच्ची श्रद्धा से भक्ति करें. विदेश यात्राओं को लेकर उठने वाले सवालों पर भी पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने सफाई दी. उन्होंने कहा कि अगर वो विदेश नहीं जाएंगे तो दक्षिणा नहीं मिलेगी. अगर उन्हें दक्षिणा नहीं मिली तो फिर जो अस्पताल वो बनवा रहे हैं वह कैसे बनेगा? अन्नपूर्णा भोजन योजना कैसे चलेगी? धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनका जाने का मन नहीं करता है लेकिन जाना पड़ता है.

धीरेंद्र शास्त्री ने लिया बड़ा संकल्पः धीरेंद्र शास्त्री ने इस साल अपने जन्मदिन पर एक बड़ा संकल्प भी लिया था. उन्होंने कहा कि अब वे जातिवाद के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाएंगे. अगर भारत को समृद्ध और शक्तिशाली बनाना है तो जातिवाद, भाषावाद और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद को प्राथमिकता देनी होगी. उन्होंने ऐलान किया कि वे दिल्ली से वृंदावन तक पदयात्रा करेंगे, ताकि समाज में फैली जातीय दीवारों को गिराया जा सके और हर वर्ग के बीच एकता और भाईचारे का संदेश दिया जा सके

भारत में हुए सुधारों पर स्पेन में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

निजी निवेश बढ़ा पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन दौरे पर गई वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि निजी पूंजी निवेश अब भी आवश्यकता से काफी कम है, कम और मध्यम आय वाले देशों को अनुपातहीन रूप से छोटा हिस्सा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश बाधाओं को दूर करने और विकास प्राथमिकताओं के साथ वित्तीय प्रवाह को बेहतर करने के प्रयासों की तत्काल आवश्यकता है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर गईं वित्त मंत्री मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पेन के सेविले में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच के शिखर सम्मेलन के दौरान सतत विकास के लिए निजी पूंजी जुटाने की जोरदार वकालत की। उन्होंने एफएफडी4 परिणाम से कार्यान्वयन तक– सतत विकास के लिए निजी पूंजी की क्षमता को अनलॉक करना शीर्षक पर अपनी राय रखी। वैश्विक नेताओं और निवेशकों को संबोधित करते हुए, सीतारमण ने कहा कि हाल के वर्षों में निजी निवेश ने उत्साहजनक वृद्धि दिखाई है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में, मंत्री ने कहा, निजी पूंजी निवेश अब भी आवश्यकता से काफी कम है, कम और मध्यम आय वाले देशों को अनुपातहीन रूप से छोटा हिस्सा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश बाधाओं को दूर करने और विकास प्राथमिकताओं के साथ वित्तीय प्रवाह को बेहतर करने के प्रयासों की तत्काल आवश्यकता है। अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण ने उभरते बाजारों में कथित निवेश जोखिमों को संबोधित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने इन चुनौतियों को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सीतारमण ने कहा, भारत ने स्वतंत्र विनियामकों की स्थापना, पारदर्शी बोली प्रक्रियाओं को लागू करने, अनुबंधों को मानकीकृत करने और व्यापार करने में आसानी में सुधार करके इस चुनौती का समाधान किया है। इन सुधारों ने निवेशकों के विश्वास को काफी बढ़ाया है और लेन-देन की लागत को कम किया है। वित्त मंत्री ने मजबूत घरेलू वित्तीय प्रणालियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। भारत ने बुनियादी ढांचे और उद्योग में बड़े पैमाने पर वित्तपोषण का समर्थन करने के लिए अपने बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत करने और पूंजी बाजारों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

उन्होंने कहा कि भारत के विनियामक ढांचे अब निवेशक सुरक्षा को नवाचार और लचीलेपन के साथ बेहतर ढंग से संतुलित करते हैं। इससे दीर्घकालिक निवेश के लिए एक सक्षम वातावरण बनता है। वित्त मंत्री ने कहा, हमारे विनियामक ढांचे बाजार की जरूरतों के साथ विकसित हुए हैं- निवेशक सुरक्षा को नवाचार और लचीलेपन के साथ संतुलित करते हुए- दीर्घकालिक निवेश के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाते हैं।

सीतारमण ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भारत में हुए परिवर्तन का जिक्र करते हुए कहा, 2014 में स्थापित केवल 2.8 गीगावॉट सौर ऊर्जा से, भारत ने अपनी क्षमता को 110 गीगावॉट से अधिक तक बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, यह सफलता स्पष्ट राष्ट्रीय लक्ष्यों, सुव्यवस्थित खरीद और सरकार समर्थित कदमों से मिली। इस मॉडल ने पेंशन और सॉवरेन वेल्थ फंड सहित संस्थागत निवेशकों को आकर्षित किया। एफएफडी4 शिखर सम्मेलन के दौरान सीतारमण ने विभिन्न वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं।

उन्होंने न्यूजीलैंड के विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी, विश्वविद्यालय, सांख्यिकी और प्रशांत क्षेत्र के लोगों के मंत्री शेन रेती से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और कृषि में सहयोग पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत लोगों के बीच संबंधों की पुष्टि की। सीतारमण ने त्वढ्ढस्नञ्ज सिटी में भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र के बारे में भी बात की और बैंकिंग, बुलियन एक्सचेंज, पूंजी बाजार, फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र, बीमा और पुनर्बीमा में निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शैक्षिक संबंधों के महत्व पर भी ध्यान दिया, जिसमें कई भारतीय छात्र न्यूजीलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने जर्मनी की संघीय आर्थिक सहयोग और विकास मंत्री रीम अलाबली-राडोवन के साथ भी बातचीत की।

सीतारमण ने उन्हें उनकी नई भूमिका के लिए बधाई दी और भारत-जर्मनी हरित और सतत विकास साझेदारी के तहत सहयोग पर चर्चा की। सीतारमण 30 जून से 5 जुलाई तक की इस आधिकारिक यात्रा के दौरान आर्थिक मामलों के विभाग के एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं।

उनके कार्यक्रम में पुर्तगाल के लिस्बन की यात्रा भी शामिल है, जहां वे पुर्तगाल की वित्त मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी और भारतीय प्रवासियों और निवेशकों से बातचीत करेंगी। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में, वे भारत की गवर्नर के रूप में न्यू डेवलपमेंट बैंक (हृष्ठक्च) की 10वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करेंगी और ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में भी भाग लेंगी। वित्त मंत्री की ओर से ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया और रूस के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय चर्चा करने की भी उम्मीद है।

संयुक्त राष्ट्र में बोले विदेश मंत्री एस जयशंकर

आतंक के खिलाफ हो जीरो टॉलरेंस, न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे ना झुकें

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में The Human Cost of Terrorism नाम की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि दुनिया को अब आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना होगा. उन्होंने वैश्विक समुदाय से एकजुट होने का आग्रह करते हुए कहा कि आतंकवादियों को कोई छूट न मिले.

विदेश मंत्री ने कहा, 'आतंकियों को किसी भी सूरत में छूट नहीं मिलनी चाहिए, उन्हें प्रॉक्सी के रूप में देखना बंद करें और किसी भी तरह के न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे झुकना नहीं चाहिए.' उन्होंने जोर देकर कहा कि पहलगाम हमले पर भारत की प्रतिक्रिया आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के संदेश को रेखांकित करती है.

'ऑपरेशन सिंदूर' और पहलगाम हमले का ज़िक्र

जयशंकर ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र किया जिसमें 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी. उन्होंने कहा कि इस जघन्य कृत्य की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तीखी निंदा की थी और मांग की थी कि इसके दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए और उन्हें न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाए.

'आतंकवाद कहीं भी हो, शांति हर जगह के लिए ख़तरा है'

जयशंकर ने कहा, ÷अब यह स्पष्ट हो गया है कि आतंकवाद कहीं भी होता है तो वह पूरी दुनिया की शांति के लिए खतरा होता है. इसलिए किसी भी देश द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करना और उसके खिलाफ एक्शन लेना जरूरी है.आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है. यह संयुक्त राष्ट्र के उन सभी सिद्धांतों के विपरीत है, जिनके लिए मानवाधिकार, नियम और मानदंड हैं÷

प्रदर्शनी में दिखाई गई आतंक की विभीषिकाएं

जयशंकर ने प्रदर्शनी के उद्घाटन में बड़ी संख्या में उपस्थित संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों, वरिष्ठ संयुक्त राष्ट्र कर्मियों, अधिकारियों और दूतों को संबोधित किया. डिजिटल प्रदर्शनी में दुनिया भर में किए गए भयानक आतंकवादी हमलों को प्रदर्शित किया गया है.प्रदर्शनी में 1993 मुंबई ब्लास्ट, 2008 मुंबई हमले, और 2024 पहलगाम हमले जैसी घटनाओं के भयानक दृश्य और विवरण शामिल हैं. इसमें पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों और आतंकियों के नाम भी उजागर किए गए हैं. जयशंकर ने कहा कि यह प्रदर्शनी उन लोगों की आवाज़ है जो अब बोल नहीं सकते ,जो हमसे दूर हो गए और आतंकवाद के कहर से तबाह हुए जीवन की याद दिलाती हैज्यह एक श्रद्धांजलि है उन निर्दोषों को, जिनकी ज़िंदगियां आतंकवाद ने छीन लीं.÷

जयशंकर ने अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की करते हुए कहा, ÷हम सबकी साझा और तात्कालिक ज़िम्मेदारी है कि आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप का सामना किया जाए. यहां सिर्फ़ स्मरण नहीं, प्रतिबद्धता की ज़रूरत है.÷ उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का एक बड़ा संदेश है. उन्होंने कहा, ÷आतंकवादियों को कोई छूट नहीं; आतंकवादियों के साथ छद्म व्यवहार नहीं; परमाणु ब्लैकमेल के आगे न झुकना; आतंकवाद के प्रायोजन को उजागर किया जाना चाहिए और उसका मुकाबला किया जाना चाहिए; आतंकवाद कहीं भी हो, हर जगह शांति के लिए खतरा है।

बाबा बर्फानी के दर्शन को दो दिन शेष, एलजी और सीएम ने संभाली कमान

श्रीनगर, एजेंसी। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए महज दो दिन और शेष हैं। श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा तक पहुंचाने और बाबा अमरनाथ के सुगम दर्शन कराने के लिए उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों यात्रा मार्ग पहलगाम और बालटाल पर तीर्थ यात्रियों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए सुरक्षा एवं सुविधाओं का जायजा लेने के लिए रोजाना मंत्री और अधिकारी पहुंच रहे हैं।

व्यवस्था में रत्ती भर भी कमी न रह जाए इस पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से पहली बार एहतियातन हेलिकाप्टर सेवा बंद कर दी गई है।अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है जो रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को समाप्त होगी। एलजी मनोज सिन्हा पिछले एक सप्ताह में तीन बार पहलगाम और बालटाल रूट पर पड़ने वाले बेस कैंपों का खुद मौके पर निरीक्षण कर चुके हैं। अभी रविवार को ही उन्होंने दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग में नुनवन और चंदनबाड़ी बेस कैंप का दौरा किया था।

वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला तीर्थयात्रा की शुरुआत होने तक श्रीनगर में जमे हुए हैं। उनके निर्देश पर रोजाना प्रदेश सरकार का कोई न कोई मंत्री और प्रमुख शीर्ष अधिकारी दोनों मार्गों पर सुविधाओं का जायजा लेने पहुंच रहे हैं। रविवार को जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण और जनजातीय मंत्री जावेद अहमद राणा और स्वास्थ्य निदेशक जहांगीर पहुंचे थे। दोनों लोगों ने बारी-बारी से एक-एक सुविधा की बारीकी से निगरानी की। सुनिश्चित किया कि बाबा बर्फानी के भक्तों की सुविधा में कहीं कोई कसर न रह जाए।

पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार सतर्क, सुरक्षा पर विशेष ध्यान

थल सेनाध्यक्ष कर चुके हैं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षाहाल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर बाबा बर्फानी के दर्शन को पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार भी काफी सतर्क है। इसीलिए थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी यात्रा से संबंधित सुरक्षा संबंधी तैयारियों की समीक्षा करने 21 जून को कश्मीर पहुंचे थे। सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही उन्होंने यात्रा से जुड़ी तैयारियों का पूरा जायजा लिया। इस दौरान किसी दैवीय आपदा से श्रद्धालुओं को बचाने के लिए जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन विभाग ने पहलगाम में एक मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया था। इस अभ्यास में ग्लेशियर फटने से आने वाली बाढ़ (जीएलओएफ) जैसी आपदा से बचने का तरीका दिखाया गया था।दोनों मार्ग पहलगाम और बालटाल से पवित्र गुफा तक मार्ग की मरम्मत व रेलिंग लगाने का काम पूर्ण हो चुका है। यात्रियों के लिए पानी, बिजली, शौचालय, स्नानघर से लेकर स्वास्थ्य सुविधा के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं।

पुलिस थाना मंडीदीप के समक्ष पुलिस प्रशासन के खिलाफ भोजपुर के भाजपा विधायक श्री सुरेंद्र पटवा के साथ स्थानीय हिंदुओं के साथ विशाल प्रदर्शन न्याय की लगाई गुहार जय श्री महाकाल

क्या डूब जाएगा बीएसएनएल?-मप्र पुलिस का भरोसा टूटा

80 हजार सिम एयरटेल में पोर्ट होने लगीं!

कभी भारत सरकार की शान माने जाने वाली क्चस्हृरु (भारत संचार निगम लिमिटेड) अब गहरे संकट से जूझ रही है। उसका नेटवर्क इतना खराब हो गया है कि अब उस पर पुलिस विभाग जैसे अहम संस्थान का भरोसा भी उठ चुका है। मध्य प्रदेश पुलिस ने से मुंह मोड़ लिया है और करीब 80,000 पुलिसकर्मियों की सिम एयरटेल नेटवर्क में पोर्ट की जा रही है।

ग्वालियर की बात करें तो वहां 2000 से ज्यादा पुलिसकर्मी क्चस्हृरु की ष्टत्र सिम का इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन अब वहां भी बदलाव की बयार बह रही है। करीब 1000 नई एयरटेल सिम आ चुकी हैं और इन्हें पुलिस कंट्रोल रूम की वायरलेस शाखा से तेजी से बांटा जा रहा है।

श्योपुर, उज्जैन, भिंड, घाटीगांव जैसे जिलों और थानों में तो हालात इतने खराब हैं कि सिर्फ नेटवर्क ही नहीं, इंटरनेट का नामोनिशान भी नहीं मिलता। पुलिसकर्मियों को मजबूरी में अपने निजी नंबरों से कॉल करना पड़ता है, भले ही उनके पास सरकारी ष्टत्र सिम हो। 2024 में आए नए क्रिमिनल लॉ के बाद डिजिटल साक्ष्यों का ऑन-द-स्पॉट अपलोड अब पुलिस की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। ई-विवेचना ऐप, सीसीटीवी फुटेज, और केस डायरी अब फाइलों में नहीं, डेटा में दर्ज होती है। और जब नेटवर्क ही न हो, तो कानून का पालन कैसे हो? इसको लेकर अब पुलिस विभाग का बीएसएनएल से मोह टुट रहा है।

जब जियो और एयरटेल जैसी निजी कंपनियां 5त्र की रेस में आगे निकल चुकी हैं, क्चस्हृरुअब भी कई इलाकों में 2त्र और 3त्र पर अटका पड़ा है। एक फोटो भेजना हो या वीडियो अपलोड करना हो जाता है । ऐसे में पुलिसकर्मी यदि डेटा के लिए झुझते हुए रहते है तो पुलिसकर्मीयों का मोह भंग होना स्वाभाविक है। मोदी सरकार ने को खड़ा करने के लिए अब तक तीन बड़े रिवाइवल पैकेज दिए हैं। लेकिन 2019 में ?69,000 करोड़, जिसमें ङ्कक्रस्न स्कीम के तहत 93,000 कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली। 2022 में ?1.64 लाख करोड़ का पैकेज सरकार ने 4त्र विस्तार और बैलेंस शीट मजबूत करने के लिए दिया।

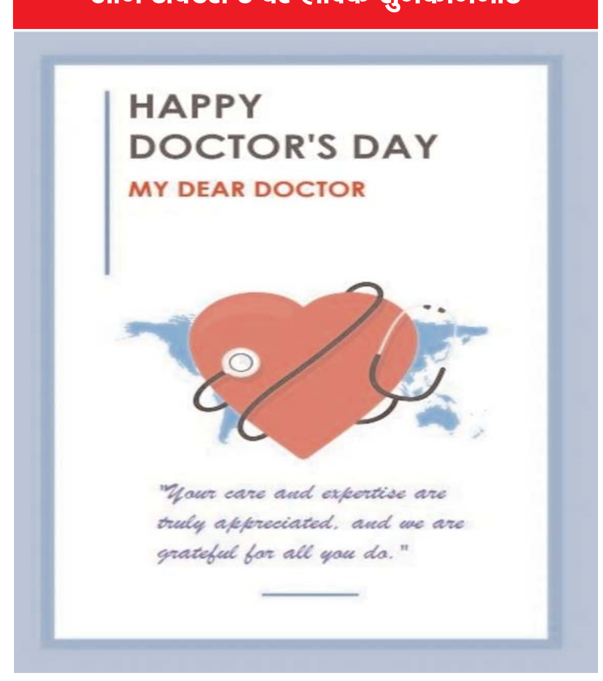

जूनिपर ग्रीन एनर्जी ने 3000 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, 31 दिसंबर, 2024 तक कुल क्षमता के मामले में भारत के शीर्ष 10 सबसे बड़े नवीकरणीय स्वतंत्र बिजली उत्पादकों में से एक है। कुल क्षमता में ऑपरेशनल, निर्माणाधीन कॉन्ट्रैक्टेड और अवार्ड किए गए प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। कंपनी अपनी इन-हाउस ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) टीम और ओ एंड एम (ऑपरेशन और मेंटेनेंस) टीम के जरिए यूटिलिटी-स्केल नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट्स को डेवलप, बिल्ड, ऑपरेट और मेंटेन करती है, और विभिन्न ऑफ-टेकर्स, जिनमें केंद्र और राज्य सरकार समर्थित संस्थाएं शामिल हैं, को बिजली बेचकर रेवेन्यू कमाती है। जूनिपर ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने बाज़ार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर दिया है। कंपनी इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिये 30,000 मिलियन (3000 करोड़) तक के इक्विटी शेयर जारी करके फंड जुटाने की योजना बना रही है। यह ऑफर पूरी तरह से नए इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू होगा।कंपनी इस आईपीओ से मिलने वाले नेट प्रोसीड्स का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्ज़ों का पूरा या आंशिक रूप से चुकाने के लिए करेगी। यह अनुमानित राशि 10,922.71 मिलियन (1092.27 करोड़) है।

प्लूरिसी (पसली में पानी भर जाना)

परिभाषा - इस रोग में प्लूरल कैविटी (फेफड़े एवं पसली की बीच की जगह) में असामान्य रूप से तरल पदार्थ (Fluid) का जमाव हो जाता है।

कारणः (1) इन्फैक्शन्स क्षय रोग (टी.बी.) निमोनिया, वायरल इन्फैक्शन इत्यादि। (2) कैंसर फेफड़ों का कैंसर, प्लूरा का कैंसर एवं मैटास्टेटिक कैंसर। पैनक्रियाज संबंधी रोग, पेट में (Abscess), आहार नली का परफोरेशन इत्यादि। (3) खून में प्रोटीन की कमी के कारण (4) हार्ट फेल्यर (5) किडनी और लिवर फेल्यर) (6) कुछ दवाईयाँ- एमायोडेरौन, प्रोकार्बाजीन, डेसाटिनिब, नाइट्रोफ्यूरेन्टॉइन इत्यादि।

लक्षण सीने में दर्द एवं भारीपन (जिस तरफ रोग है), सांस खांसी आना, बुखार आना (इन्फेक्शन होने पर)।

डायग्नोसिस (1) फिजिकल परीक्षण - प्लूरिसी से प्रभावित तरफ छाती में हवा का प्रवाह कम मिलता है। (2) छाती का एक्स-रे-यह बहुत महत्वपूर्ण एवं इन्फोर्मेटिव जांच है जो आसानी से सभी जगह उपलब्ध होती है। इसके द्वारा आसानी से छाती में द्रव का होना एवं उसकी मात्रा (गंभीरता) का पता लगता है। (3) छाती की सोनोग्राफी इस विधि से कम मात्रा में भी उपस्थित द्रव एवं उसकी मात्रा तथा प्रकार के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। (4) छाती का सी. टी. स्कैन- इसके द्वारा फेफड़े की झिल्ली (Pleura) के साथ-साथ फेफड़े, श्वांस की नली एवं मीडियास्टाइनम की विस्तृत जानकारी मिलती है। (5) प्लूरल फ्लुड की जाँच इस आसान एवं महत्वपूर्ण विधि में सोनोग्राफी की सहायता से सुई द्वारा प्लूरल कैविटी में उपस्थित द्रव को निकालकर उसकी जांच की जाती है। द्रव को देखकर ही आसानी से उसके प्रकार का पता चल जाता है जैसे मवाद (पस), खून, काइल (Chyle) इत्यादि। कुछ बायोकैमिकल टैस्ट एवं कल्चर तथा माइक्रोस्कोप से जाँच कर विभिन्न रोगों की जानकारी प्राप्त की जाती है।

उपचारः- त्वरित चिकित्सा- प्लूरल (फ्लुड) की मात्रा ज्यादा होने पर उसे इंजेक्शन या चेस्ट ट्यूब द्वारा निकालकर रोगी को लक्षणों से तत्काल राहत दी जाती है। इससे साथ ही फेफड़े की क्षमता बढ़ने से खून में ऑक्सीजन की मात्रा भी बढती है।

रोग का उपचारः- जाँच में पाई गई बीमारी का उपचार करके रोग को पूरी तरह ठीक किया जाता है।

Pleurodesis (प्लूरोडैसिस):- इस विधि से कैंसर के रोगियों में बार- बार बन रहे प्लूरल फ्लुड के उपचार के लिये चेस्ट-ट्यूब द्वारा प्लूरल कैविटी में दवा का घोल डालकर इस कैविटी को पूरी तरह बंद कर दिया जाता है, जिससे पसली में पानी का बनना बन्द हो जाता है। इस प्रक्रिया को थौरेकोस्कोपी विधि द्वारा भी किया जा सकता है।

लेखक अग्रवाल हॉस्पिटल के संचालक डॉ. पी. एन. अग्रवाल (एम. डी, डीएम) श्वांस एवं छाती रोग विशेषज्ञ

अमीर चंद जगदीश कुमार लि. ने 550 करोड़ के आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई। अमीर चंद जगदीश कुमार (एक्सपोर्ट्स) लिमिटेड, जिसका प्रमुख और रजिस्टर्ड ब्रांड एयरोप्लेन है, ने मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा कर दिया है। यह कंपनी भारत में बासमती चावल और अन्य एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की प्रोसेसर और एक्सपोर्टर है। अपने प्रमोटरों की चार दशकों से ज़्यादा की विशेषज्ञता के दम पर, कंपनी भारत में बासमती चावल उद्योग में अपना लोहा मनवा चुकी है। कंपनी का इरादा 5500 मिलियन (यानी 550 करोड़) तक के इक्विटी शेयर जारी करके इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के ज़रिए फंड जुटाने का है। यह पूरा ऑफर फ्रेश इश्यू होगा, मतलब कंपनी नए शेयर जारी करेगी। केयर रिपोर्ट के मुताबिक, रेवेन्यू के मामले में कंपनी अपने कॉम्पिटिटर्स में तीसरे नंबर पर है। यह उन गिनी-चुनी भारतीय ब्रांडेड चावल कंपनियों में से एक है जिसने एफएमसीजी स्टेपल्स में भी कदम रखा है। कंपनी का मानना है कि वे बासमती चावल की वैल्यू चेन में पूरी तरह से इंटीग्रेटेड ऑपरेशन्स वाली कुछ भारतीय कंपनियों में से एक हैं, जिसमें खरीद, स्टोरेज, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और बिक्री जैसे सभी काम शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी ने एफएमसीजी प्रोडक्ट्स में भी विविधता लाई है, जिसमें आटा, मैदा, सूजी, बेसन, नमक और चीनी जैसे रोज़मर्रा के किचन सप्लाई भी शामिल हैं।

न्यूरोसर्जन डॉ. मिलेश नागर ने रतलाम में की पहली एंडोस्कोपिक ब्रेन ट्यूटर रिमूवल सर्जरी

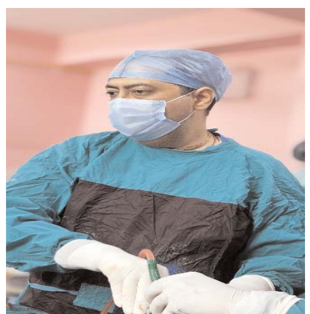

रतलाम। न्यूरोसर्जरी में पहली बार रतलाम ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। न्यूरोसर्जन डॉ. मिलेश नागर ने रतलाम में पहली बार नॉन इनवेसिव ब्रेन ट्यूमर सर्जरी को पूरी तरह सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इसमें 52 वर्षीय मरीज के मस्तिष्क से बिना खोपड़ी खोले ट्यूमर निकाला गया है। यह सर्जरी रतलाम मे की गई है 7 जानकारी के अनुसार मरीज को पिछले डेढ़-दो वर्षों से सिरदर्द, धुंधली दृष्टि, थकान और जी मचलाने जैसी समस्याएं हो रही थीं और सामान्य उपचार से लाभ नहीं हो रहा था। वे रतलाम मे डॉ. मिलेश नागर के पास पंहुचे थे, जहां उनकी एमआरआई करवाने पर पिट्यूटरी ग्लैंड में बड़ा ब्रेन ट्यूमर सामने आया था। डॉ. नागर ने ऑपरेशन की सलाह दी 7

नाक के जरिये निकाला गया ट्यूमर

डॉ. नागर ने बताया कि अब ब्रेन ट्यूमर सर्जरी के लिए नवीनतम तकनीक एंडोस्कोपिक एंडोनासल सर्जरी है। इसमें खोपड़ी (कपाल) को नहीं खोलना पड़ता बल्कि नाक के माध्यम से ट्यूब डालकर सर्जरी की जा सकती है। हालांकि इस सर्जरी के लिए ब्रेन के ठीक उसी हिस्से में ट्यूब भेजकर सफल रूप से ट्यूमर हटाना और बाहर निकालना होता है जो आसान नहीं है। इस तकनीक के लिए परिवार की सहमति मिलने के बाद मरीज को भर्ती कर सर्जरी की गई। 4 घंटे से ज्यादा चली जटिल सर्जरी में न्यूरोसर्जन डॉ. नागर के साथ ईएनटी सर्जन डॉ. अंशुल शर्मा, डॉ. गौरव उपाध्याय, एनेसथेटिक डॉ प्रेमकिशन भी मौजूद रहे। डॉ. नागर ने बताया कि एंडोस्कोपिक सर्जरी में सिर पर कोई चीरा या टांका नहीं लगता, जिससे दर्द कम होता है और रिकवरी का समय कम हो जाता है। यह तकनीक अत्याधुनिक है, लेकिन हर प्रकार के ब्रेन ट्यूमर के लिए उपयुक्त नहीं होती।

R.N.I. No. - MPHIN/2015/65325
वर्ष 11 अंक 11 पृष्ठ 13

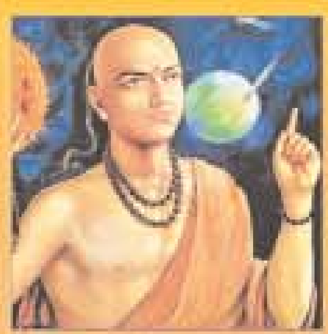

आर्य भट्ट
वेदांग निर्णय सागर

संपादक/प्रकाशक
पं. पी एन भट्ट

जुलाई 2025

ता. ६ देवशयनी एकादशी

श्री विक्रम संवत् २०८२
वीर निर्वाण संवत् २५५१

शक संवत् १९४७
बंगला सन् १४३२

मूल: ज्येष्ठा के मूल ता.७ को १/११ रात्रि से ता.८ को ३/१५ रा.अं. तक फिर मूल के मूल ता.९ को ४/५० रा.अं. तक। रेवती के मूल ता.१६ को ४/५० रा.अं. से ता.१७ को ३/३९ रा.अं. तक फिर अश्विनी के मूल ता.१८ को २/१४ रा.अं. तक। अश्लेषा के मूल ता.२५ को ४/०० शाम से ता.२६ को ३/५२ दिन तक फिर मघा के मूल ता.२७ को ४/२३ शाम तक।

पंचक - ता.१३ को ६/५३ शाम से ता. १७ को ३/३९ रा.अं. तक।

पुष्य नक्षत्र- ता. २४ को ४/४३ शाम से ता. २५ को ४/०० शाम तक।

भद्रा: ता.२ को ११/५८ दिन से १२/५८ रात्रि तक। ता.६ को ८/०८ प्रातः से ९/१४ रात्रि तक। ता.९ को १/२६ रा.अं. से ता.१० को १/५५ दिन तक। ता.१३ को १/२६ दिन से १/०२ रा.अं. तक। ता.१६ को ६/०१ से ता.१७ को ८/०७ प्रातः तक। ता.१९ को १/२८ रा.अं. से ता. २० को १२/१२ दिन से १०/२८ रात्रि तक। ता.२२ को ४/३६ रा.अं. से ता.२३ को ३/३१ दिन तक। ता.२८ को १०/५७ दिन से ११/२४ रात्रि तक।

गुरु, शुक्र तारा- गुरु तारा अस्त, ता.९ को ४/१८ रा.अं. से पूरब दिशा में उदित। शुक्र तारा पूरब दिशा में उदित।

हिजरी सन् 1447 मोहर्रम/सफर मास (2) ता.5 योम-ए-आशुरा, ता.6 मुहर्रम (ताजिया), ता.8 तीजा, ता.22 उर्स, ता.26 चंद्रदर्शन, ता.27 से सफर मास प्रारम्भ

स्वामी/प्रकाशक: पं.पी.एन. भट्ट ज्योतिष शोध एवं समाज सेवार्थ ट्रस्ट, गोपालगंज सागर (म.प्र.) मो. 9407266609

व्रत उपवास त्यौहार

ता.४ भड़ली नवमी, नवरात्र समाप्त, ता.५ आशा दशमी, ता.६ देवशयनी, हरिशयनी ग्यारस, ता.७ वासुदेव द्वादशी, ता.८ प्रदोष व्रत, मंगला तेरस, विजया पार्वती व्रत, ता.१० स्नानदान व्रत, गुरु पूर्णिमा, ता.१४ गणेश चतुर्थी व्रत, श्रावण सोमवार व्रत प्रारम्भ, ता.१५ मौना पंचमी, मंगला गौरी व्रत, ता.१७ शीतला सप्तमी, ता.२१ कामिका ग्यारस, ता.२२ प्रदोष व्रत, मंगला गौरी व्रत, ता.२३ शिवचतुर्दशी व्रत, ता.२४ हरियाली अमावस्या, स्नानदान श्राद्ध अमावस्या, ता.२६ चन्द्रदर्शन, सिंधारा दोज, ता.२७ हरियाली तीज, ता.२८ विनायकी चतुर्थी व्रत, दूर्वा गणपति व्रत, ता.२९ नागपंचमी, मंगला गौरी व्रत।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता.२ को ११/०७ दिन से रा.अं. तक। ता.५ को सूर्योदय से ७/११ रात्रि तक। ता.७ को सूर्योदय से १/११ रात्रि तक। ता.१२ को ६/२६ प्रातः से रा.अं. तक। ता.१७ को सूर्योदय से ता.१८ को २/१४ रा.अं. तक। ता.२१ को सूर्योदय से रा.अं. तक। ता.२४ को सूर्योदय से रा.अं. तक। ता.३० को सूर्योदय से ९/५३ रात्रि तक। **अमृत सिद्धि योग** ता.२१ को ९/०७ रात्रि से रा.अं. तक। ता.२४ को ४/०४ शाम से रा.अं. तक।

महाकाल सवारी उज्जैन - ता. १४, २१, २८।

शुभ मुहूर्त

जीर्ण गृहप्रवेश - ता.२१। **नामकरण**- ता.२, १७, २१। **अन्नप्राशन** - ता.२, ४, १७, ३१। **व्यापार**- ता.३, ७, २१, ३०।

जयंतियाँ

ता.१ डॉक्टर्स एवं सी.ए. दिवस, ता.६ पं. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती, ता.१४ प्राणनाथ परमधाम वास दिवस, ता.२३ लोकमान्य तिलक जयंती, ता.२७ डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पुण्यतिथि, ता.२९ कवि सुभद्रा कुमारी चौहान जयंती, ता.३१ मुंशी प्रेमचंद जयंती, मोहम्मद रफी पुण्यतिथि, उधम सिंह शहीद दिवस।

ग्रह स्थिति

सूर्य- मिथुन राशि में, ता.१६ को ४/४८ रा.अं. से कर्क राशि में। **मंगल**- सिंह राशि में, ता.२८ के ६/५५ शाम से कन्या राशि में। **बुध**- कर्क राशि में, ता.१८ के ३/३६ रात्रि से वक्री। **गुरु**- मिथुन राशि में। **शुक्र**- वृष राशि में, ता.२६ के ११/१६ दिन से मिथुन राशि में। **शनि**- मीन राशि में, ता.१३ को ७/०४ रात्रि से वक्री। **राहु**- कुम्भ में। **केतु**- सिंह में।

चन्द्र स्थिति

ता.१ को सिंह का। ३/२४ दिन से कन्या का। ता.३ को ३/१६ रा.अं. से तुला का। ता.६ को ४/०१ शाम से वृश्चिक का। ता.८ को ३/१५ रा.अं. से धनु का। ता.११ को १२/०८ दिन से मकर का। ता.१३ को ६/५३ शाम से कुम्भ का। ता.१५ को ११/५८ रात्रि से मीन का। ता.१७ को ३/३९ रा.अं. से मेष का। ता.२० को ६/१२ प्रातः से वृष का। ता.२६ को ३/५२ दिन से सिंह का। ता.२८ को १२/०० रात्रि से कन्या का। ता.३१ को ११/१५ दिन से तुला का।

रवि	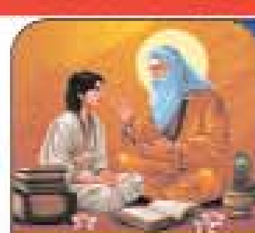 ता. १० गुरु पूर्णिमा	देवशयनी एकादशी मोहर्रम (ताजिया) **6** आषाढ़ शुक्ल ११ ९/१४ रात्रि तक विशाखा १०/४२ रात्रि तक	जया पार्वती व्रत समा. पंचक ६/५३ शाम से **13** श्रावण कृष्ण ३ १/०२ रा.अं. तक श्रवण ६/५३ शाम तक	**20** श्रावण कृष्ण १० १२/१२ दिन तक कृत्तिका १०/०६ रात्रि तक	**27** श्रावण शुक्ल ३ १०/४१ रात्रि तक मघा ४/२३ शाम तक
सोम	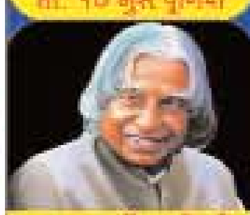 ता. २७ डॉ. ए.पी. जे अब्दुल कलाम पु.ति.	वासुदेव द्वादशी **7** आषाढ़ शुक्ल १२ ११/१० रात्रि तक अनुराधा १/११ रा.अं. तक	संकष्टी चतुर्थी पंचक प्रथम श्रावण सोमवार **14** श्रावण कृष्ण ४ ११/५१ रात्रि तक धनिष्ठा ६/५१ प्रातः तक	कामिका एकादशी द्वितीय श्रावण सोमवार **21** श्रावण कृष्ण ११ ९/३८ प्रातः तक रोहिणी ९/०७ रात्रि तक	विनायक चतुर्थी तृतीय श्रावण सोमवार **28** श्रावण शुक्ल ४ ११/२४ रात्रि तक पू.फा. ५/३५ शाम तक
मंगल	**1** आषाढ़ शुक्ल ६ १०/२० दिन तक पू.फा. ८/४४ प्रातः तक	जया पार्वती व्रत प्रा. प्रदोष व्रत मंगला तेरस **8** आषाढ़ शुक्ल १३ १२/३८ रात्रि तक ज्येष्ठा ३/१५ रा.अं. तक	जया पार्वती व्रत प्रा. प्रदोष व्रत प्रथम मंगला गौरी व्रत पंचक **15** श्रावण कृष्ण ५ १०/३८ रात्रि तक शतभिषा ६/२६ प्रातः तक	द्वि. मंगला गौरी व्रत प्रदोष व्रत **22** श्रावण कृष्ण १२ ७/०५ प्रातः तक मृगशिरा ७/४४ रात्रि तक	नाग पंचमी तृतीय मंगला गौरी व्रत **29** श्रावण शुक्ल ५ १२/४६ रात्रि तक उ.फा. ७/३० रात्रि तक
बुध	मां ताप्ती जयंती **2** आषाढ़ शुक्ल ७ ११/५८ दिन तक उ.फा. ११/०७ दिन तक	**9** आषाढ़ शुक्ल १४ १/२६ रात्रि तक मूल ४/५० रा.अं. तक	पंचक **16** श्रावण कृष्ण ६ ९/०१ रात्रि तक पू.भा. ६/१६ प्रातः तक उ.भा. ४/५० रा.अं. तक	चन्द्रशेखर आजाद जयंती शिव चतुर्दशी व्रत **23** श्रावण कृष्ण १४ २/२८ रा.अं. तक आर्द्रा ५/५४ शाम तक	स्कन्द षष्ठी कल्की जयंती **30** श्रावण शुक्ल ६ २/४१ रा.अं. तक हस्त ९/५३ रात्रि तक
गुरु	**3** आषाढ़ शुक्ल ८ १/०६ दिन तक हस्त १/४० दिन तक	कोकिला व्रत गुरु पूर्णिमा व्यास पूजा **10** आषाढ़ पूर्णिमा २/०६ रा.अं. तक पू.षा. समस्त	कालाष्टमी शीतला सप्तमी पंचक ३/३९ रा.अं. तक **17** श्रावण कृष्ण ७ ७/०८ रात्रि तक रेवती ३/३९ रा.अं. तक	हरियाली अमावस्या **24** श्रावण अमावस्या १२/४० रात्रि तक पुनर्वसु ४/४३ शाम तक	गोस्वामी तुलसीदास जयंती **31** श्रावण शुक्ल ७ ४/५८ रा.अं. तक चित्रा ११/४१ रात्रि तक
शुक्र	भड़ली नवमी **4** आषाढ़ शुक्ल ९ ४/३१ शाम तक चित्रा ४/४० शाम तक	इष्टि विश्व जनसंख्या दिवस **11** श्रावण कृष्ण १ २/०८ रा.अं. तक पू.षा. ५/४६ प्रातः तक	**18** श्रावण कृष्ण ८ ५/०१ शाम तक अश्विनी २/१४ रा.अं. तक	इष्टि **25** श्रावण शुक्ल १ ११/२२ रात्रि तक पुष्य ४/०० शाम तक	ता. २३ लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जयंती
शनि	**5** आषाढ़ शुक्ल १० ६/५८ शाम तक स्वाति ७/५१ रात्रि तक	**12** श्रावण कृष्ण २ १/४६ रात्रि तक उ.षा. ६/३६ प्रातः तक	**19** श्रावण कृष्ण ९ २/४१ दिन तक भरणी १२/४४ रात्रि तक	सिंधारा दोज **26** श्रावण शुक्ल २ १०/४१ रात्रि तक अश्लेषा ३/५२ दिन तक	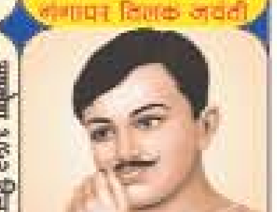 ता. २३ चन्द्रशेखर आजाद जयंती

भोपाल							
सूर्योदय	दिनांक	1–5/32	5–5/33	10–5/35	15–5/37	20–5/39	25–5/41
सूर्यास्त	दिनांक	1–7/05	5–7/05	10–7/06	15–7/05	20–7/04	25–7/02

शुभ और अशुभ को पहिचानें : आनंददायी जीवन के लिए

सूर्योदय प्रातः 6 बजे होने पर राहुकाल, गुलिककाल एवं यमगण्डकाल का उपरोक्तानुसार समय रहेगा। सूर्योदय के समय परिवर्तन पर उक्त समय में अन्तर की गणना कर सही समय ज्ञात कर लें।

दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)	दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)
रविवार	4:30 से 6:00 सायं	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	बुधवार	12:00 से 1:30 दोपहर	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन
सोमवार	7:30 से 9:00 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह	10:30 से 12:00 अपरान्ह	गुरुवार	1:30 से 3:00 अपरान्ह	9:00 से 10:30 दिन	6:00 से 7:30 प्रातः
मंगलवार	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	9:00 से 10:30 प्रातः	शुक्रवार	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन	3:00 से 4:30 अपरान्ह
				शनिवार	9:00 से 10:30 प्रातः	6:00 से 7:30 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह

मास फल

मेष- स्वयं की योजनाओं पर काम करें। खान-पान में सावधानी बरतें।
वृषभ- सरकारी कार्यों में लापरवाही न करें। आर्थिक लेन-देन में हर समय सतर्क रहना।
मिथुन- महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
कर्क- वरिष्ठों से अच्छा सहयोग मिलेगा।
सिंह- आपकी बातों का कोई मूल्य नहीं है, वहां चुप रहना ही बेहतर है।
कन्या- अपने स्थिति पर कायम रहना जरुरी है। आनंद लेते हुए धैर्य रखें।
तुला- किसी भी तरह के कानून ना तोड़ें। यात्रा से परेशानी हो सकती है।
वृश्चिक- कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर स्वीकार करनी होंगी।
धनु- वाणी पर नियंत्रण रखें और ध्यान रखें कि किसी को चोट न पहुँचे।
मकर- अतित के प्रयास सफलता का मीठा फल दिलाएंगे।
कुंभ- परिवार के सदस्यों से वांछित सहयोग नहीं मिलेगा। हर कदम सावधानी से उठाएं।
मीन- उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। लाभ हो सकते हैं। निवेश अवश्य करें।

द्विपुष्कर योग

ता.२२ को सूर्योदय से ७/०५ प्रातः तक। **त्रिपुष्कर योग**- ता.१ को १०/२० दिन से रा.अं. तक। ता.६ को ९/१४ रात्रि से १०/४२ रात्रि तक। ता.१२ को सूर्योदय से ६/३६ प्रातः तक।

ऐच्छिक अवकाश (राज्य शासन)

ता.५ योम-ए-आशुरा, ता.१० गुरु पूर्णिमा, ता.२९ नाग पंचमी, ता.३१ गोस्वामी तुलसीदास जयंती। **नोट**- वर्ष में तीन ऐच्छिक अवकाश लिये जा सकते हैं।

जैन पर्व

दिगम्बर जैन- ता.२ णमोकार पैंतीसी व्रत प्रारंभ, ता. ३ से १० अष्टान्हिका व्रत, ता. ६, १३, २०, २७ रवि व्रत, ता.९ चातुर्मास कलश स्थापना, कर्म निर्जरा व्रत, ता.११ वीर शासन जयंती, युग परिवर्तन दिवस, ता.१२ रत्नावली, एकावली, द्विकावली, ता.२१ रोहिणी व्रत, ता.२५ सप्तमपरमस्थान व्रत प्रारंभ, सोलह द्वितीय शुक्ल पक्ष प्रारंभ, ता.३१ मोक्ष सप्तमी, सप्तपरमस्थान व्रत पूर्ण।
श्वेताम्बर जैन ता.२ चौमासी अट्ठाई प्रारम्भ, ता.९ चातुर्मासिक प्रतिक्रमण, ता.१० चातुर्मास प्रारंभ, गुरु पूर्णिमा, ता.१५ बोड़ मासीधर, ता.२३ पाक्षिक प्रतिक्रमण, ता.२४ हरियाली अमावस, ता.२९ मासधर।

ब्राह्माण्ड से ज्यादा उत्तम दुनियां हमारी स्मृति है। जो दुनिया में नहीं रहे, उन्हें भी जीवित कर देती है।

Reg. No.:NH/7416/JUNE2018

MOUNT HOSPITAL

अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ आकस्मिक चिकित्सा

पिछले 7 वर्षों से अरविंद विहार, कटारा हिल्स, बागसेवनिया, बागमुगालिया क्षेत्र व भोपाल क्षेत्र का अग्रणी गहन चिकित्सा केन्द्र है। माउंट मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 24x7 आकस्मिक, चिकित्सा उपलब्ध है। माउंट हॉस्पिटल विगत वर्षों से उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। हॉस्पिटल गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत नि:शुल्क इलाज उपलब्ध करा रहा है। हॉस्पिटल में डेली फिजिशियन ओपीडी और स्त्री रोग विशेषज्ञ उपलब्ध रहते हैं। माउंट हॉस्पिटल एनएबीएच से मान्यता प्राप्त है।

सर्जिकल विशेषताएं : प्लास्टिक सर्जरी, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी, न्यूरो ट्रामा, स्पाइन सर्जरी, गेस्ट्रो सर्जरी, एन्डोस्कोपिक एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल एवं गायनिक सर्जरी, नाक, कान, गला सर्जरी, फेशियो मैकिसीलरी सर्जरी

आर्थोपेडिक व ज्वाईट रिपलेसमेंट, फ्रेक्चर यूरोसर्जरी (प्रोस्टेट, पथरी)

सीनियर फिजिशियन
डॉ. सुधीर ठाकुर (MD)मेडिसिन — OPD समय: 11-1 PM
डॉ. अनुज निगम (MD, DNB Ortho.) अस्थि रोग विशेषज्ञ — OPD समय: 12-3PM
डॉ. नेत्र कमला गुप्ता (गायनिक) स्त्री रोग विशेषज्ञ — OPD समय: 12-2.30 PM

■ हार्ट चेकअप कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा उपलब्ध ■ यहां पर डायलसिस सुविधा भी उपलब्ध

इलाज की सुविधा आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं

● विभिन्न मेडिक्लेम कंपनियों द्वारा केशलेश इलाज की व्यवस्था है। ● आधुनिक सर्जिकल व मेडिकल इमरजेंसी सुविधाएं उपलब्ध। ● यहां नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ज्वाइंट रिपलेसमेंट सर्जरी, मानसिक रोग, कार्डियोलॉजी, पिडियाट्रिक, गायनिक आदि सुविधाएं उपलब्ध है।

माउन्ट अस्पताल आपके लिए लेकर आया है

● 2D Fecho / अल्ट्रासोनोग्राफी फेसिलिटी ● अत्याधुनिक मॉडयूलर ऑपरेशन थिएटर, सीसीयू ● 13 बेडस सुसज्जित आईसीयू ● एडवांस क्रिटीकल केयर, वेंटिलेटर, डिफिब्रीलेटर व C-arm ● एडवांस सिटी स्केन सोनोग्राफी, इकोकॉर्डियोग्राफी ● कलर डॉप्लर, डिजिटल एक्स-रे ● डायबिटिज एवं थायराइड व अन्य गंभीर बीमारियों कार्डियक चेकअप की सुविधाएं ● कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी ● 24x7 मेडिकल स्टोर, ● एम्बुलेंस सुविधा ● कैंटीन, ● पार्किंग सुविधा, ● आर.ओ. पेयजल आदि

Plot No. 1/637, Arvind Vihar, Opp. UCO Bank Bagmugaliya, Bhopal
Ph. 0755-4350191,2488888,7389561282 Email: mounthospital2018@gmail.com

लक्ष्मी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ई-19, पटेल नगर, रायसेन रोड, भोपालफोन 0755-4232429, मो. 9893838789, 9009281640

कुशल विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम जी मिलेगी आपके बेहतर स्वास्थ्य संबंधी सभी सुविधा

- बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
- छाती रोग विशेषज्ञ
- दन्त रोग विशेषज्ञ कान, नाक एवं गला रोग विशेषज्ञ
- न्यूरो एवं स्पाईन रोग विशेषज्ञ
- न्यूरो सर्जन व चर्म रोग विशेषज्ञ
- जनरल सर्जन, हड्डी रोग विशेषज्ञ
- क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
- हृदय एवं शुगर रोग विशेषज्ञ
- शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ

24/7 SERVICE — उपलब्ध सुविधाएं

- 24 घंटे आकस्मिक ईलाज
- गरीबी रेखा के राशनकार्ड धारकों का ईलाज कम से कम दरों पर
- प्रसव व प्रसूति की विशेष सुविधा
- नवजात शिशुओं के ईलाज की सुविधा
- 10 बिस्तरों की सुविधा के लिए गहन चिकित्सा ईकाई
- न्यूरो, स्पाइन सर्जरी, हड्डी रोग एवं लकवा से संबंधित बीमारियों की विशेष सुविधा
- सड़क दुर्घटना से संबंधित चोटों का ईलाज

24x7 Ambulance Services Cardiac,Ventilator Support
Emergency Contact
9893296529, 7974355058, 9285431559

डॉ. मिलेश नागर

M.B.B.S (KEM Hospital Mumbai, M.S. General surgery (MGM Indore), M.Ch. Neurosurgery (Trivandrum) Fellowship in endoscopic, Vascular & Endovascular Neurosurgery (Fujita university, japan)

रतलाम में न्यूरोसर्जरी की पहचान: डॉ. नागर

वर्ष 2021 से वे रतलाम में न्यूरो सर्जरी की सेवाएं दे रहे हैं एवं बरबड़ रोड स्थित राघव न्यूरो ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल का सफल संचालन कर रहे हैं। यह रतलाम का पहला पूर्ण न्यूरोसर्जरी केंद्र है, जिसमें आधुनिक ओ.टी., न्यूरो माइक्रोस्कोप, सी-आर्म, एंडोस्कोप, न्यूरोसर्जिकल ड्रिल और उन्नत आई.सी.यू. उपलब्ध है। सड़क दुर्घटना, ब्रेन हैमरेज, लकवा जैसे समय-संवेदनशील मामलों में बड़े शहर तक जाना घातक हो सकता है। ऐसे गंभीर मामलों में उनका अनुभव एवं ट्रामा सेंटर जीवनरक्षक सिद्ध हुआ है। वे अब तक ब्रेन ट्यूमर, दूरबीन द्वारा दिमाग एवं रीढ़ की सर्जरी, Brain Aneurysm surgery, रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर और स्पाइन फिक्सेशन जैसे हजारों जटिल ऑपरेशन कर चुके हैं। रतलाम, मंदसौर और देवास संभाग की पहली ब्रेन सर्जरी भी उन्होंने की है। उनके नाम 11 शोध पत्र दर्ज हैं और वे फ्लोरेंस (इटली), इस्तांबुल (तुर्की) और वेनिस (इटली), टोक्यो (जापान) में शोध प्रस्तुत कर चुके हैं। उन्हें एम.पी. एसिकॉन इंदौर सर्जिकल क्विज में गोल्ड मेडल, बेस्ट पोस्टर ग्रेजुएट अवार्ड और बेस्ट पेपर अवार्ड (न्यूरो सर्जरी) से भी सम्मानित किया गया है।

परामर्श समय सोमवार से शनिवार - सुबह 10 से 11 बजे तक इमरजेंसी सेवा उपलब्ध 24x7

राघव न्यूरो ट्रामा केयर हॉस्पिटल 206, अमृत गार्डन के पास, बड़बड़ रोड, बालाजी सेन्ट्रल होटल के सामने, रतलाम
Mob.: 9520790752, 8989131327

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं

छिंदवाड़ा का एकमात्र सर्वसुविधा युक्त बच्चों का अस्पताल

सदय चिल्ड्रेन हॉस्पिटल

डॉ. पवन नंदुरकर

बाल एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ

24x7 उपलब्ध — 24x7 शिशु रोग विशेषज्ञ उपलब्ध

प्रायवेट रूम, सेमी प्रायवेट रूम, जनरल वार्ड भर्ती सुविधा

नवजात शिशु चिकित्सा ईकाई (NICU)

- वेंटीलेटर
- (CPAP) सुविधा
- एंबुलेंस सुविधा
- पैथोलॉजी सुविधा
- एक्सरे सुविधा
- 24घंटे भर्ती सुविधा
- 24घंटे फार्मेसी सुविधा

बोदरी नदी पुल के पास, नागपुर रोड छिंदवाड़ा
Mob. 9343441824, 07161-314300

मानवता हॉस्पिटल

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

प्रथम तल, फैमिली जोन के ऊपर, भुवनेश्वर टॉवर, पुराना परासिया नाका, परासिया रोड, छिंदवाड़ा संपर्क - 7974426766, 7974304486

नागपुर के सुप्रसिद्ध डॉक्टर अब छिंदवाड़ा में

डॉ. पराग आराधे

कन्सलटेंट : न्यूरोलॉजिस्ट, एम.बी.बी.एस., डीएनबी, (जनरल मेडिसिन) डीएनबी (न्यूरोलॉजी), एमएनएएमएस

मस्तिष्क व स्नायु रोग विशेषज्ञ

चिकित्सा शुल्क रु. 400/-

उपलब्ध समय: पहला और तीसरा शुक्रवार समय - दोप. 12 से 3 बजे तक

अगर आप निम्न किसी बीमारी से ग्रसित हैं तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें

- बार-बार चक्कर आना
- सरवाईकल
- ब्रेन हेमरेज
- माइग्रेन (सिरदर्द, सिर भारी होना)
- मिर्गी, फिट, झटके
- याददास्त भूलना (याद न रहना)
- शरीर में कपकपी
- लकवा मारना (स्ट्रोक)
- पीठ एवं गर्दन में दर्द,
- हाथ पैर में झुनझुनी (चीटियाँ आना)
- हाथ पैर सुन्न होना
- माँसपेशियों में जकड़न
- मायस्थेनियाँ (थकावट, ऑखों की पलकें नीचे आना)
- बेहोश हो जाना, चलते वक्त संतुलन (बैलेंस) बिगड़ना

मिलने का दिन - माह का पहला एवं तीसरा शुक्रवार
समय - 12 से दोपहर 3 बजे तक रजिस्ट्रेशन - 7974426766, 7974304486

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनायें

नागपुर की सुविधाएं अब छिंदवाड़ा

चतुर्वेदी डेन्टल क्लीनिक

शहर की आधुनिक डेन्टल क्लीनिक डेडिकेटेड इम्प्लांट फेसिलिटी के साथ

डॉ.राहुल चतुर्वेदी (M.D.S.) (Prosthodontist & Impaltologist)
डॉ.एकता चतुर्वेदी (B.D.S.) (Root Canal Specialist)

::सुविधाएं::

■ दांतों की सड़न का पक्का इलाज ■ रूट कनाल ट्रीटमेंट ■ स्माइल डिजाइनिंग ■ फिक्स केप एवं ब्रिज ■ फिक्स बत्तीसी ■ निकलने लगाने वाली बत्तीसी ■ लेमिनेट द्वारा दांतों का सौंदर्यीकरण ■ मेटल एवं बिना मेटल के फिक्स ब्रिज ■ आड़े-टेढ़े दांतों को ठीक करना ■ दांतों की सफाई एवं दांत निकालना ■ दांत का इम्प्लांट(Dental Implant) ■ एक दिन में बनाई जाने वाली बत्तीसी ■ Cast Partial Denture ■ दांतों के रंगों की फिलिंग

फटे तालू साथ पैदा होने वाले बच्चा को खाने में सहायक प्लेट

समय :-प्रातः 11.00बजे से रात्रि 9.00 बजे तक, सोमवार-रविवार (प्रत्येक दिन उपलब्ध)

पता :- चतुर्वेदी डेन्टल क्लीनिक ,पांडेय नर्सिंग होम सामने छिं.
मो.नं.9755496232,8839315742

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनायें

आरोग्य हॉस्पिटल

परासिया रोड, पूजा होटल के पास छिंदवाड़ा म.प्र.
Mob. 6262640425, 6262640426, 9425845755

आयुष्मान कार्ड धारको के लिये नि:शुल्क उपचार उपलब्ध है।

डॉक्टर्स डे की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

छिन्दवाड़ा जिले का एकमात्र कैंसर केयर सेन्टर

सिटी अस्पताल

कैंसर केयर एवं सर्जीकल सेंटर

कैंसर का ईलाज अब छिन्दवाड़ा जिले में संभव

डॉ. तपेश पौनीकर MBBS,MD कैंसर रोग विशेषज्ञ
डॉ. भूपेश यूरराम MBBS,MS जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

क्लीनिक का समय
दोपहर 2 बजे से रात्रि 9 बजे तक, रविवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक
अपांइटमेंट संपर्क 07162-358277
पता- कलेक्ट्रेड के सामने, जैन मंदिर रोड, गुलाबरा, छिन्दवाड़ा

CLARIS HOSPITALS

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनायें

Claris Hospitals, Chhindwara is a multi-specialty hospital offering a wide range of medical and surgical services.

Your Health is Our Priority

क्लैरिस हॉस्पिटल

आदर्श नगर, परासिया रोड, छिंदवाड़ा
अपाईटमेंट:-9119911944

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनायें

आनंद हॉस्पिटल

मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल-छिंदवाड़ा

24 Hours Emergency Facility

लेजर पद्धति द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है।

डॉ.अंशुल लोहाड़िया
डॉ.सचिन बत्रा
डॉ.कान्हा अग्रवाल
स्नेहा रघुवंशी

Anand Hospital आनंद हॉस्पिटल 24/7

प्रायवेट बस स्टैंड, सत्कार तिराहा, परासिया रोड, छिंदवाड़ा, 480001 (म.प्र.)
ईमेल: anandhospital16815@gmail.com
फोन: 07162-297033, 7225026102, 9827281821

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनायें

मेडिसिन विशेषज्ञ

डॉ. संदीप जैन

एम.डी. (मेडिसिन)
पी.जी.सी.डी.एम.(डायबिटीज)
फेलोशिप इन डायबिटीज (चेन्नई)
सहा. प्राध्यापक शासकीय मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा

मस्तिष्क/लकवा — हृदय
न्यूरोलॉजी/मिर्गी — डायबिटीज
पेट/लीवर — छाती 'श्वास'

षष्ठी माता मंदिर के पास परासिया रोड छिंदवाड़ा

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनायें

डॉ. दिनेश ठाकुर

(M.B.B.S.,M.D.)MEDICINE
CCBDM(डायबिटीज)फेलोशिप इन डायबिटीज(हैदराबाद)
विशेषज्ञ:-हृदयरोग,लकवा,मिर्गी,डायबिटीज,माइग्रेन,थायराईड छाती रोग,खून की कमी
पता :-बैंक ऑफ इण्डिया के सामने,श्रीवास्तव कॉम्पलेक्स परासिया रोड,छिंदवाड़ा
Cont.- 9575049011

पूनम मल्टीस्पेशिलिटी डेंटल क्लीनिक

दाँतों का दवाखाना

डॉ. शशांक साहू एम.डी.एस (पीडोडोंटिस्ट)

GET THE HEALTHY WHITE SMILE

जॉगीरदार कॉम्पलेक्स, इंडियन कॉफी हाउस के सामने एलीट हॉस्पिटल, छिंदवाड़ा म.प्र. मो. 9407896965

डॉक्टर्स डे की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

डॉ. शशिकांत आर्य

असिस्टेंट प्रोफेसर, शा.मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा

M.B.B.S.,M.D.(MEDICINE)
CARDIOLOGIST & DIABETOLOGIST,P.G.C.D.M.(INDORE)
FELLOWSHIP IN DIABETIES

मधुमेह ब्लड प्रेशर हृदय संबंधि रोग थाइराईड लकवा एवं मस्तिष्क रोग के इलाज हेतु मिले

डॉ. आर्य क्लीनिक परासिया रोड,यामाहा शोरूम के बाजू में, पारस टॉवर छिन्दवाड़ा
मो.नं.9669099879,8770365116
मिलने का समय :-दो.02.30 से 5 बजे एवं शाम 6 से 9 बजे तक